MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-18 ❖ मुंबई ❖ रविवार 24 से 30 अप्रैल 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

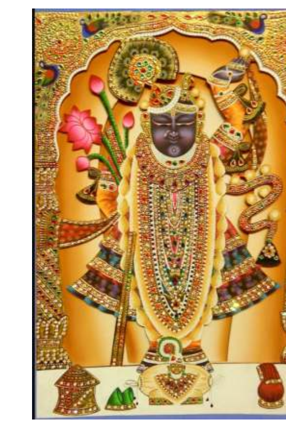

www.mumbaitarang.com

पेज 3

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचें सम्मानजनक पदों पर बैठे लोग

पेज 5

हेफ्टीवर्स और सुपरस्टार अजय देवगन रनवे 34 गेम को मेटावर्स में लॉन्च करने के लिए एक साथ आए

पेज 7

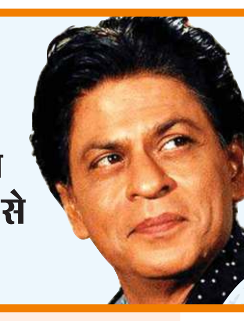

शाहरुख खान के साथ काम करने पर खुशी से झूम रही हैं तापसी पन्नू

पेज 8

प्रयागराज में परिवार के पांच लोगों की हत्या से सनसनी

एक नजर

शारदा समूह की 6.28 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध पोंजी योजनाओं को चलाने के लिए शारदा ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ दर्ज धन शोधन रोकथाम मामले के संबंध में शुक्रवार को असम में 6.28 करोड़ रुपये की संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया। ईडी ने शारदा समूह की विभिन्न कंपनियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी और 420 के तहत विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दायर विभिन्न प्राथमिकी और चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की है।

हज कमेटी ऑफ इंडिया को मिला नया अध्यक्ष

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया को एक लंबे वक्त बाद नया चेयरमैन मिल गया है। एपी अब्दुल्लाकुट्टी को बतौर चीफ वहीं मुनव्वरी बेगम और माफुजा खातून को वाइस चैयरमेन चुना गया है। एपी अब्दुल्लाकुट्टी केरल के कन्नूर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं, वह 2020 में बीजेपी में शामिल हुए थे। वहीं महफूजा खातून भाजपा की बंगाल इकाई की उपाध्यक्ष और मुनव्वरी केंद्रीय वक्फ परिषद की सदस्य हैं। आजाद भारत में पहली बार दो महिलाएं भारतीय हज समिति की उपाध्यक्ष बनी हैं।
केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सभी को बधाई दी है।

18 और श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी रामेश्वरम पहुंचे

चेन्नई। एक गर्भवती महिला सहित श्रीलंका के 18 तमिल शरणार्थी तमिलनाडु के तटीय शहर रामेश्वरम पहुंच गए हैं। अब, श्रीलंका से भारतीय तटों पर पहुंचने वाले शरणार्थियों की कुल संख्या बढ़कर 60 हो गई है। द्वीप राष्ट्र एक गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और लोग खुद को गरीबी से बचाने के लिए देश छोड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, 60 लोग अलग-अलग दिनों में 8 जत्थों में रामेश्वरम पहुंचे और अधिकांश ने श्रीलंका में मन्नार की खाड़ी से मछली पकड़ने वाली छोटी नौकाओं पर सवार होने के लिए भुगतान किया है। 18 लोग दो जत्थे में रामेश्वरम पहुंचे। भारतीय तटों पर पहुंचे पहले जत्थे में गर्भवती महिला और डेढ़ साल के बच्चे समेत 13 लोग शामिल थे।

बार्सिलोना की जीत, रीयाल मैड्रिड का खिताबी इंतजार बढ़ा

मैड्रिड। बार्सिलोना की रीयाल सोसिडाड पर 1-0 की जीत से रीयाल मैड्रिड का स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा का खिताब जीतने का इंतजार कम से कम एक सप्ताह के लिये बढ़ गया। बार्सिलोना की इस जीत से रीयाल मैड्रिड और उसके बीच 15 अंक का अंतर रह गया है। यदि बार्सिलोना रविवार को रायो वालकानो को हरा देता है तो यह अंतर 12 अंक का रह जाएगा। रीयाल मैड्रिड के अभी 33 मैचों में 78 और बार्सिलोना के 32 मैचों में 63 अंक है। पियरे एमरिक ओबामेयांग ने 11वें मिनट में बार्सिलोना के लिये गोल किया जो उसकी ला लिगा में कैडिज और यूरोपा लीग में इंट्राचैट फ्रैंकफर्ट से हार के बाद पहली जीत है। इस जीत से बार्सिलोना के सेविला के बराबर अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में आगे है। सेविला ने एक अन्य मैच में लेवांटे को 3-2 से पराजित किया। बार्सिलोना ने इससे चैंपियन्स लीग और स्पेनिश सुपर कप में जगह बनाने की उम्मीदें जीवंत रखी हैं। अन्य मैचों में एथलेटिक बिलबाओ ने कैडिज को 3-2 से जबकि रायो ने एस्पेनयोल को 1-0 से हराया।

हनुमान चालीसा पढ़ने 'मातोश्री' जाने का फैसला बदला

नवनीत राणा बोलीं-शिवसेना अब गुंडों की पार्टी, राणा दंपत्ति के खिलाफ मुंबई में केस दर्ज

महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा और लाउडस्पीकर पर राजनीति बढ़ती जा रही है। अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने आज मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान किया था। इसके बाद नवनीत राणा की बिल्डिंग के नीचे भारी संख्या में शिवसैनिक सुबह से ही डटे हैं। हालांकि, दिन भर के हंगामे के बाद बडनेर सीट से निर्दलीय विधायक रवि राणा ने एक बयान जारी कर कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी मुंबई आ रहे हैं और हम उनके कार्यक्रम में किसी तरह का विघ्न नहीं चाहते हैं, इसलिए मातोश्री जाकर 'हनुमान चालीसा' पढ़ने के अपने फैसले को वापस लेते हैं।
नवनीत राणा द्वारा अपने फैसले को बदलने के बावजूद शिवसैनिक उनकी इमारत के बाहर डटे हुए हैं और लगातार माफी की मांग कर रहे हैं। इस बीच राणा दंपत्ति के खिलाफ मुंबई के खार पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है। कुछ शिवसैनिको द्वारा दर्ज कराए इस केस में दोनों पर अपने बयान से माहौल खराब करने का आरोप लगाया गया है।

शिवसेना गुंडों की पार्टी: नवनीत राणा

अपने इस फैसले के बाद सांसद नवनीत राणा ने कहा कि हमारा उद्देश्य था कि संकट मोचन संकट हटाएं। उद्धव ठाकरे ने हमारे घर गुंडे भेजे हैं। शिवसेना तो खत्म हो गई है। असली शिवसैनिक तो बाला साहब के साथ चले गए हैं। अब गुंडों की शिवसेना रह गई है। हमारे मुख्यमंत्री का सिर्फ यही काम रह गया है कि किस पर क्या कार्रवाई करवानी है, किसे जेल भेजना है और किसे तड़ीपार करना है।

हमारा मकसद पूरा हुआ: नवनीत राणा

नवनीत राणा ने आगे कहा कि CM का ध्यान किसान सुसाइड पर नहीं रहता। बिजली समस्या पर नहीं बोलते। बेरोजगारी पर चुप रहते हैं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से गुजारिश है कि हमारे महाराष्ट्र को बचाया जाए। यहां के हालात खराब हैं। दो साल तक CM मंत्रालय तक नहीं गए। हमारा मकसद पूरा हो गया है। अब मातोश्री के बाहर प्रदर्शन नहीं करेंगे।

औरंगाबाद के पुलिस कमिश्नर तय करेंगे राज ठाकरे को रैली की इजाजत दी जाए या नहीं- दिलीप पाटिल

मुंबई, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का फैसला करने वाली अमरावती की सांसद नवनीत राणा के मुंबई स्थित आवास को शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने शनिवार सुबह से ही घेर लिया। वे वहां प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने सांसद और उनके पति को 'बंटी और बबली' का उपनाम दिया है। दरअसल पति रवि राणा सांसद के साथ सांसद ने आज मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का ऐलान किया, जिसके बाद से ही महाराष्ट्र में बवाल शुरू हो गया है।
- महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वालसे पाटिल मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मोहित कम्बोज की घटना छोटी थी। वह बिना किसी कारण के वहां गए। पाटिल ने नवनीत राणा और रवि राणा पर किसी तरह की कोई टिप्पणी करने से साफ इन्कार कर दिया। उनका कहना था कि मुंबई पुलिस अपना काम कर रही है और सीपी सभी घटनाक्रमों पर करीब से नजर रखे हुए है।
- पाटिल ने ये भी कहा कि ये सभी जानते हैं कि भाजपा राज्य में शांति भंग करना चाहती है और राज्य सरकार की छवि खराब करना चाहती है। हमने सीएम से बात की है और उन्होंने हमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया है। उन्होंने सभी से राज्य में शांति बनाए रखने की अपील की है। राज ठाकरे को रैली की इजाजत देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये औरंगाबाद के पुलिस कमिश्नर तय करेंगे।

2 मई को शुरू होगा समृद्धि महामार्ग का पहला चरण

मुंबई। मुंबई से नागपुर के बीच बन रहे ७०१ किमी लंबे हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे करेंगे। नागपुर से सेलू बाजार के बीच २१० किमी समृद्धि मार्ग का पहला हिस्सा यातायात के लिए २ मई से उद्घाटन के बाद खोल दिया जाएगा। यह जानकारी कल नगर विकास व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री एकनाथ शिंदे ने दी। एकनाथ शिंदे कल हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग के पहले चरण के अंतर्गत हुए काम का जायजा लेने नागपुर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पहला चरण शुरू होने के बाद नागपुर से शिर्डी दूसरा चरण अगस्त तक शुरू कर दिया जाएगा जबकि इस परियोजना का पूरा कॉरिडोर मुंबई से नागपुर तक दिसंबर २०२३ से पहले शुरू करने का लक्ष्य है।

सरपट दौड़ेंगे वाहन

मुंबई से नागपुर के बीच बन रहे समृद्धि महामार्ग को १२० से १५० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहनों को चलाने के लिए डिजाइन किया गया है। एकनाथ शिंदे ने बताया की समृद्धि महामार्ग पर १२० किमी प्रति घंटा की रफ्तार से वाहनों को चलाने को अनुमति मिली है। उन्होंने कल समृद्धि महामार्ग पर खुद अपनी कार चलाकर ट्रायल लिया। उन्होंने बताया कि १२० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन चलाने के बावजूद लग रहा था जैसे ६० किमी प्रति घंटे की रफ्तार से कार दौड़ रही है। इस कॉरिडोर को तैयार करने के लिए एडवांस तकनीक का उपयोग किया गया है, जो वाहन चालकों को स्मूथ ड्राइव का अनुभव देगा।

वाइल्ड लाइफ संरक्षण पर खर्च हुए `३०० करोड़

वाइल्ड लाइफ संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वन्य जीवों को जंगल का फील आए इसलिए ८ ओवर पास और ६० अंडर पास ब्रिज बनाए गए हैं। समृद्धि महामार्ग पर आने वाले जंगलों से वन्य जीव क्रॉसिंग करते हैं इसलिए यहां पर ओवर पास बनाया गया है। इसके लिए ३०० करोड़ रुपए वाइल्ड लाइफ संरक्षण के लिए खर्च हुए हैं।

एयर एंबुलेंस की होगी व्यवस्था

समृद्धि महामार्ग पर कुल २४ इंटरचेंज है, जहां दुर्घटना होने पर गोल्डन आवर में घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए क्विक रिस्पॉन्स व्हिकल की व्यवस्था की जाएगी। इतना ही नहीं, एयर एंबुलेंस की व्यवस्था के लिए यहां पर हेलीपैड की व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है। घायलों का समय पर इलाज हो, इसके लिए १०० से अधिक अस्पतालों के साथ समझौता किया जा रहा है।

जितना चलोगे उतना भरना होगा टोल

हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग की एक खासियत यह भी होगी कि इस मार्ग से सफर करनेवालों को उतना ही टोल चुकाना होगा, जितना सफर वाहन चालक कॉरिडोर पर तय करेंगे। वाहन चालक से इंट्री प्वाइंट पर टोल नहीं वसूला जाएगा बल्कि जब वाहन चालक अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचकर इंटर चेंज से बाहर निकलेगा, तब वहां मौजूद टोल प्लाजा उतनी दूरी के टोल वसूल लेगा। समृद्धि मार्ग पर वाहन चालकों को १.७२ रुपए प्रति किमी का खर्च आएगा। जबकि मुंबई से नागपुर का सफर ७ घंटे में तय करना संभव हो जाएगा।

मनपा स्कूलों में मिशन एडमिशन!

मुंबई। मनपा स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग ने 'मिशन एडमिशन' मुहिम चलाया है। इस मुहिम के तहत प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को मनपा स्कूलों में एक लाख नए छात्रों को प्रवेश दिलाने का लक्ष्य दिया गया है। शिक्षा विभाग को इसमें कामयाबी भी मिलती दिखाई दे रही है। महज पांच दिनों में ही ११,५०० से अधिक नए छात्रों को मनपा स्कूलों में एडमिशन दिलाने में सफलता मिली है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा का स्तर ले जाने के लिए सीबीएसई, आईसीएससी के बाद इस साल से वैंâब्रिज यूनिवर्सिटी से सलंग्न आईबी और आईजीसीएसई बोर्ड के स्कूलों को शुरू करने की तैयारी शिक्षा विभाग ने कर ली है।
अत्याधुनिक और सुसज्जित शैक्षिक सुविधाओं के कारण मनपा स्कूलों अर्थात मुंबई पब्लिक स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। शिक्षा विभाग ने इस वर्ष एक लाख नए प्रवेश का लक्ष्य रखा है। इसके लिए मिशन एडमिशन एक लक्ष्य यानी एक लाख वैंâपेन चलाया गया है। इस अभियान को भरपूर प्रतिसाद मिल रहा है। शिक्षा विभाग के मुताबिक १८ अप्रैल से शुरू इस वैंâपेन में ११ हजार ५४९ नए छात्रों का एडमिशन हुआ है। हालांकि एडमिशन प्रक्रिया ३१ जुलाई तक जारी रहेगी।

पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे की है यह संकल्पना

पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे की यह संकल्पना है। उनकी इस संकल्पना से मुंबई पब्लिक स्कूल में छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ चौ-तरफा प्रगति का मौका देने के लिए नाविन्यपूर्ण उपक्रमों को लागू किया जा रहा है। इसमें स्कूलों की इमारत, पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त अन्य उपक्रमों आदि सभी हरेक में बदलाव किया गया है। इसके चलते आज मनपा स्कूलों में बच्चों का एडमिशन दिलाने के लिए अभिभावकों में होड़ मच गई है।

संचालित होते हैं आठ भाषाओं के स्कूल

मनपा शिक्षा विभाग मराठी, हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, गुजराती समेत कुल आठ भाषाओं के स्कूलों को संचालित कर रहा है। मनपा के १,१५० स्कूलों में नर्सरी से लेकर १०वीं तक की कक्षाओं में तीन लाख से अधिक छात्र पढ़ते रहे हैं।

शहरवासियों को मिलेगी दोहरी खुशी

मीरा-भायंदर टू मुंबई जल्द दौड़ेगी मेट्रो

मीरा रोड। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक के प्रयासों से शहरवासियों को दोगुनी खुशी मिलनेवाली है। जहां अगले वर्ष २०२३ में दिवाली के पहले मेट्रो में सफर करने का सपना साकार होने की उम्मीद है, वहीं ठाणे-गायमुख मेट्रो का विस्तार कर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तक लाने का प्रयास सरनाईक के द्वारा किया जा रहा है।
बता दें कि शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक बीते कई वर्षों से मीरा-भायंदर टू दहिसर (मुंबई) मेट्रो चलाने पर जोर दे रहे थे लेकिन इसमें बहुत सारी अड़चनें थीं। जिसमें प्रमुखत: शहर में मेट्रो कारशेड के लिए जगह की अनुपलब्धता और छत्रपति शिवाजी महाराज रोड जो शहर की मुख्य सड़क है, उस पर वाहन आवागमन में उत्पन्न होनेवाली बाधाएं। एमएमआरडीए ने पहले ही इन समस्याओं के विषय में सरकार को अवगत कराया था कि यहां मेट्रो संभव नहीं है। इस पर सरनाईक ने नागपुर की तर्ज पर यहां मेट्रो चलाने का सुझाव दिया, जिसमें शहर में मेट्रो और सड़क (एलिवेटेड) को ऊंचा किया जाए, तो शहर में मेट्रो चल सकती है।

विधायक सरनाईक के सुझाव पर तत्कालीन आयुक्त यू.पी.एस. मदान ने गठबंधन सरकार के दौरान मीरा-भायंदर से दहिसर (मुंबई) तक मेट्रो-९ की मंजूरी दी थी, जिसका कार्य जोरों पर इस समय चल रहा है। उसके बाद पश्चिम द्रुतगति मार्ग पर दहिसर चेकनाका से फ्लाईओवर तथा वहां से शहर में रास्ता देने का सुझाव एमएमआरडीए की अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती सोनिया सेठी को दिया। एमएमआरडीए ने रिपोर्ट बनाकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को मंजूरी के लिए भेजा लेकिन पिछले एक साल से लगातार फॉलो-अप के बाद भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बिना किसी प्रतिक्रिया के प्रस्ताव पर मंजूरी देने से इनकार कर दिया, जिसके कारण मेट्रो का काम ठप पड़ गया था।
इस संदर्भ में सरनाईक ने केंद्रीय मंत्री (सड़क व परिवहन) नितिन गडकरी और उनके कार्यालय से संपर्क कर निरंतर फॉलो-अप किया, जिस पर गडकरी ने स्वयं बैठक बुलाई, तब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा खारिज किए गए प्रस्ताव को मंजूरी मिली।

शिवपाल को छूट, सपा में डालो फूट!...

अज्ञात इशारे पर भतीजे को अड़चन में डाल रहे हैं चाचा

लखनऊ। हर हाल में चुनाव जीतना, ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा का लक्ष्य बन चुका है। इसके लिए भाजपा के लोग साम, दाम, दंड, भेद यानी कोई भी तरीका इस्तेमाल करने में नहीं हिचकिचाते हैं। विरोधियों को केंद्रीय एजेंसियों का खौफ दिखाकर, लालच देकर तोड़ने, अपने साथ मिलाने या फिर खत्म करने का प्रयास भाजपा के लोग करते रहे हैं। यह अब तक महाराष्ट्र और प. बंगाल में देखने को मिलता रहा है। अब यही खेला यूपी में भी शुरू हो गया है। यूपी में छोटी-सी बात पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव से प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव का नाराज होना कुछ ऐसे ही संकेत देने लगा है। सभी विधायकों की बैठक में न बुलाए जाने से नाराज शिवपाल अब तक मुखर होकर अखिलेश और भाजपा को खुश करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पहले समान नागरिक कानून का समर्थन करके सपा और प्रसपा की नीतियों को ठेंगा दिखाया, अब सपा के असंतुष्टों के साथ-साथ नाराज सहयोगियों को भी फोड़ने के प्रयासों में जुट गए हैं। इतना ही नहीं शिवपाल अब 'नेताजी' यानी अपने बड़े भाई मुलायम पर भी निशाना साधने लगे हैं। इस पर लोगों का ऐसा मानना है कि शिवपाल किसी के इशारे पर काम कर रहे हैं, संभवत: वो हाथ भाजपा का हो सकता है, जिसने शिवपाल को सपा में फूट डालने की खुली छूट दे रखी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में भाजपा को यूपी में हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बड़ी कामयाबी मिली थी लेकिन ये सफलता केंद्र सरकार के लिए खुश होने से ज्यादा चिंता बढ़ानेवाली है, क्योंकि इन चुनावों में अखिलेश यादव और उनकी सपा को वर्ष २०१७ में हुए विधानसभा चुनाव की तुलना में कहीं ज्यादा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई। ये वर्ष २०२४ में होनेवाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी पड़ सकता है। इसलिए केंद्र सरकार अखिलेश यादव और उनकी सपा को तोड़ने के प्रयासों में जुट गई है। उन्होंने यूपी की सियायसत में मजबूत प्रभाव रखनेवाले मुलायम सिंह यादव के पहले से ही नाराज चल रहे भाई व प्रसपा प्रमुख शिवपाल को फोड़ लिया है। ऐसा यूपी की सियासत को समझनेवालों का दावा है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा ने सपा और अखिलेश को खत्म करने की सुपारी शिवपाल को दे दी है। सपाइयों और अखिलेश के सहयोगियों में फूट डालने के बदले शिवपाल को किसी भी मामले से बख्शने की छूट भाजपा की ओर से दी गई है। इसलिए अखिलेश यादव से नाराज प्रसपा प्रमुख व सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव अब आजम खान व दूसरे असंतुष्टों को भी अपने साथ जोड़ने के प्रयास में जुट गए हैं। इतना ही नहीं, शिवपाल सपा गठबंधन के सहयोगी आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी पर भी डोरे डाल रहे हैं, ऐसी चर्चा यूपी के सियासी गलियारे में चल रही है। गौरतलब हो कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोल चुके शिवपाल शुक्रवार को सीतापुर पहुंचे और यहां जेल में पूर्व वैâबिनेट मंत्री आजम खां से उन्होंने मुलाकात की। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने सीतापुर जिला कारागार में आजम खां से करीब ४५ मिनट तक वार्ता की। बाद में उन्होंने कहा कि इस समय विधानसभा में आजम भाई से वरिष्ठ कोई भी विधायक नहीं है और समाजवादी पार्टी उनके लिए संघर्ष करते नहीं दिख रही है। शिवपाल सिंह यादव ने अखिलेश यादव के साथ ही पहली बार मुलायम सिंह यादव पर भी हमला बोला है।

बेकाबू न हो बुलडोजर

दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में अतिक्रमण हटाने के लिए उतारे गए बुलडोजरों पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल 15 दिनों की रोक लगा दी है। जिस तरह से एमसीडी अधिकारियों ने आनन-फानन यह कार्रवाई शुरू करवाई और यथास्थिति बनाए रखने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद भी यह कहते हुए उसे जारी रखा कि आदेश उन तक नहीं पहुंचा है, वह हैरत में डालने वाला है। ऐसा लगता है कि कुछ अधिकारियों के मन में नियम कानून और तय संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर तनिक भी सम्मान नहीं रह गया है। किसी कानून या एजेंसी का खास मकसद से इस्तेमाल करते हुए वे किसी भी सीमा तक चले जाने में नहीं हिचकते। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने का दायित्व न्यायपालिका पर है। यह समझना जरूरी है कि बुलडोजरों के विवेकहीन इस्तेमाल की इस प्रक्रिया में न केवल लोगों के घर और उनकी आजीविका के साधन उजड़ते हैं बल्कि संविधान की भी

धज्जियां उड़ती हैं।

घर या दुकान टूटने का नुकसान किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, पूरे परिवार को भुगतना होता है। अगर उस परिवार के कुछ सदस्यों पर दंगा फैलाने का आरोप हो या वह घर या दुकान अवैध हो तो भी उसकी एक निश्चित कानूनी प्रक्रिया होती है। अपराध साबित होने से पहले किसी के साथ अपराधियों जैसा बर्ताव नहीं किया जा सकता।

ध्यान रहे, देश के अन्य शहरों की ही तरह दिल्ली में भी पॉश कॉलोनियों से लेकर स्लम तक हर तरफ अतिक्रमणों की भरमार है। ऐसे में जब कुछ म्युनिसिपल अधिकारी अवैध निर्माण या अतिक्रमण का वास्ता देते हुए जहांगीरपुरी को निशाने पर लेते हैं तो बात कुछ हजम नहीं होती। लेकिन थोड़ी देर के लिए उनकी बातों को ज्यों का त्यों स्वीकार करते हुए इस प्रकरण को बिल्कुल कानूनी नजरिए से देखें तो भी एमसीडी एक्ट के प्रावधान बड़े स्पष्ट हैं। धारा 317 के तहत गलियों से किसी तरह के निर्माण को हटाने से पहले नोटिस देना होता है। धारा 347 के तहत किसी इमारत को गिराने से पहले कम से कम 5-15 दिनों का नोटिस देना होता है। सिर्फ धारा 322 के तहत नोटिस दिए बगैर कार्रवाई की जा सकती है क्योंकि इसके तहत अस्थायी निर्माण को हटाया जाता है। दिल्ली और मध्य प्रदेश में जिनके मकान या दुकान ढहाए गए, उन्हें नोटिसों के खिलाफ अपील करने का वक्त नहीं मिला। यह प्राकृतिक न्याय की भावना के खिलाफ है। यह अच्छी बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने जहांगीरपुरी मामले में एमसीडी अधिकारियों के रवैये को गंभीरता से लिया है। उनके दावों की सचाई अदालत में परखी जाएगी। लेकिन बुलडोजर को राजनीतिक संदेश देने का जरिया बनाने और उसे त्वरित न्याय के एक साधन की तरह इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति पर हर हाल में रोक लगनी चाहिए।

मास्क ना भूलें

किरीट ए. चावड़ा

इधर जिस तेजी से देश के कई इलाकों में कोरोना के मामले बढ़े हैं, उसने एक बार फिर महामारी के फैलने की चिंता पैदा की है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश ने अपने यहां सात जिलों में मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है तो हरियाणा ने अपने चार जिलों में। दिल्ली में दो हफ्ते पहले मास्क की अनिवार्यता खत्म की गई थी। यहां पॉजिटिविटी रेट खतरनाक लेवल पर पहुंच चुका है। इसे देखते हुए डीडीएमए ने कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर फिर से बैठक बुला ली है। वहीं पंजाब में भी चंडीगढ़ और पटियाला प्रशासन ने जिले के लोगों से मास्क पहनने का आग्रह किया है। कहीं पर मास्क ना पहनने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है तो कहीं पर लोगों से मास्क पहनने की रिक्वेस्ट की जा रही है। आंकड़े गवाह हैं कि दिल्ली और इससे लगे हरियाणा और उत्तर प्रदेश के इलाके इन दिनों कोरोना के हॉटस्पॉट बने चुके हैं। दो से तीन हफ्ते पहले जब यहां की सरकारें मास्क हटाने का एलान कर रही थीं, तब भी विशेषज्ञ कह रहे थे कि मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग को हटाना कहीं ना कहीं जल्दबाजी

भरा कदम हो सकता है।

यह वही समय था, जब चीन को अपने कुछ शहरों में कोरोना के चलते सख्त लॉकडाउन लगाना पड़ा था। खुद आईसीएमआर के विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार तेजी से बढ़ते मामलों के पीछे प्रमुख वजह यही दिख रही है कि लोगों ने मास्क पहनने बंद कर दिए और कोविड प्रोटोकॉल लगभग भूल गए। अभी भी देरी नहीं हुई है। कोविड प्रोटोकॉल को लेकर देशभर में फिर से जागरूकता बढ़ानी होगी। मास्क और वैक्सीन संक्रमण को रोकने में कितने मददगार हैं, इसकी याद दिलानी होगी। वैक्सीन के मामले में इधर प्रिकॉशन डोज को अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला है। इसकी वजहें साफ हैं। प्रिकॉशन डोज सिर्फ निजी अस्पतालों में लग रही हैं। यह बात सही है कि वैक्सीन कंपनियों ने हाल में टीकों की कीमत घटाई है। फिर भी देश में काफी लोगों के लिए इनका खर्च उठाना मुश्किल होगा। अच्छा हो, सरकारी केंद्रों में भी बूस्टर डोज लगाई जाए। एक तथ्य यह भी है कि सरकारें कोविड टेस्ट भी पूरी ताकत से नहीं कर रही हैं, जिससे कि महामारी कितनी फैल चुकी है, इसका ठीक-ठीक पता चले। इसलिए टेस्ट की संख्या भी बढ़ाई जानी चाहिए। इससे संक्रमण की सही तस्वीर का पता चल पाएगा। कुल मिलाकर, हाल में महामारी को लेकर जो ट्रेंड दिख रहा है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ दिल्ली, हरियाणा या उत्तर प्रदेश में ही नहीं, सभी प्रदेशों को अभी मास्क अनिवार्य रखना चाहिए क्योंकि कोरोना अभी गया नहीं है।

योगी और शाह में मुकाबले की बात है झूठी

गणेश पाण्डेय

इन दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुछ उत्साही समर्थकों की ओर से प्रचारित किया जा रहा है कि गृह मंत्री अमित शाह उनकी प्रगति को बाधित करना चाहते हैं। जब तक विरोधी ऐसी अफवाहें फैला रहे थे, तब तक उस पर बहुत ज्यादा टिप्पणी करने की जरूरत नहीं थी। लेकिन समर्थक ऐसा कहने लग जाएं तो उसे यूं ही टाला नहीं जा सकता। इसलिए नहीं कि यह सच है। इसलिए कि ऐसे समर्थक अपने नेता को ही नहीं, समस्त विचार योजनाओं को हानि पहुंचा बैठते हैं। राजनीति के बारे में सामान्य धारणा है कि नेताओं के बीच एक-दूसरे को पीछे धकेलने की प्रतिस्पर्धा चलती रहती है। बीजेपी इससे अछूती नहीं है। लेकिन जहां तक पार्टी के केंद्रीय और राज्यों की लीडरशिप के बीच संबंधों का प्रश्न है, इस तरह की बातें कोरी गप से ज्यादा नहीं हैं। जरा सोचिए, क्या बीजेपी में आज योगी आदित्यनाथ और अमित शाह के बीच प्रतियोगिता की स्थिति है? क्या अमित शाह को आज अपनी जगह बनाने के लिए किसी से मुकाबला करने की आवश्यकता है?

हर कदम पर साथ

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद बीजेपी में किसी एक नेता को लेकर सर्वमान्य स्वीकृति है तो वह अमित शाह हैं। योगी आदित्यनाथ की क्षमता पहचान कर उन्हें सांसद से प्रदेश में शीर्ष पर लाने के पीछे अमित शाह की बड़ी भूमिका रही है। पिछले कार्यकाल में प्रदेश में जब कुछ विधायकों ने मुख्यमंत्री के विरुद्ध आवाज उठाई थी तो उसे शांत करने में भी अमित शाह की भूमिका रही, क्योंकि उन्होंने बीजेपी के हित की दृष्टि से विचार किया। बीजेपी के दोनों शीर्ष नेता इस समय राज्यों में बेहतर नेतृत्व को उभारने के साथ उनके अंदर निहित संभावनाओं को पूरी तरह खिलने देने का अवसर प्रदान कर रहे हैं। पहले राज्यों के अनेक नेता केंद्रीय नेतृत्व के प्रति असंतोष प्रकट करते मिल जाते थे। वे बताते थे कि फलां नेता फलां का समर्थन कर रहे हैं और ढिकां का विरोध कर रहे हैं... नरेंद्र मोदी के बारे में कोई ऐसा कह नहीं सकता। सच यह है कि अमित शाह के बारे में भी किसी नेता से ऐसा सुनने को नहीं मिलता। उनके प्रदेश गुजरात में भी ऐसी शिकायतें नहीं हैं कि अमित शाह का अपना गुट या समूह है, जो सत्ता एवं संगठन को अपने तरीके से चलाने की कोशिश करता है।

राजनीति में यह सामान्य बात नहीं होती। स्वयं को असुरक्षित मानने वाले संकुचित लक्ष्य के नेता गुट और समूह बनाकर खेल

करते रहते हैं। ऐसे में प्रांत स्तर पर कोई नेता बड़े कद का नहीं बन सकता। बीजेपी के वर्तमान नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं को उभरने का पूरा अवसर दिया है। योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता प्रदेश के बाहर भी कायम हुई है तो इसमें केंद्रीय नेतृत्व की भी भूमिका है। मोदी और शाह ने उनकी संभावनाओं को समझकर उन्हें संपूर्ण देश में अधिकाधिक सभाएं करने की छूट नहीं दी होती तो योगी आदित्यनाथ की सोच, क्षमता और वक्तृत्व कला से देश अवगत नहीं होता। मोदी और शाह ने ही योगी आदित्यनाथ से बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राजनीतिक प्रस्ताव पेश करवा उनके कद से देश को अवगत कराया। अमित शाह छोटे स्तर की राजनीति करते तो केंद्र से लेकर प्रदेश तक अनेक नेता जिस तरह खिलकर उभरे हैं, वैसा नहीं हो पाता। असम में हिमंत बिस्व सरमा का हिंदुत्व और राष्ट्रवाद पर ऐसा प्रखर व्यक्तित्व पहले सामने नहीं था। राज्यों के अंतर्कलह को भी नरेंद्र मोदी की सहमति से अमित शाह ने जिस ढंग से संभाला, वह भी सबके सामने है। निजी महत्वाकांक्षाओं से भरे संकुचित दृष्टिकोण वाला कोई नेता ऐसा नहीं कर सकता। किसी नेता की सबसे बड़ी कसौटी यही है कि उसके बारे में दूसरे नेता क्या कहते हैं। बीजेपी में शायद ही कोई मिले जो अमित शाह को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करे। केंद्र से लेकर अनेक प्रदेशों में सत्तासीन और सबसे ज्यादा सदस्यता वाली पार्टी के इतने बड़े नेता के संदर्भ में यह स्थिति भारतीय राजनीति को देखते हुए सामान्य नहीं मानी जाएगी। संसद में अपनी प्रस्तुतियों, प्रश्नों का उत्तर देने और बहस के दौरान संसदीय मर्यादाओं का पालन करते हुए विनम्रता, आक्रामकता और तार्किकता का संतुलन अमित शाह ने प्रदर्शित किया है। हर मनुष्य में अनेक गुण होते हुए कुछ न कुछ दोष भी होते हैं। अमित शाह इसका अपवाद नहीं हो सकते। किंतु मूल बात उनकी भूमिका के संदर्भ में है। बीजेपी विचारधारा की पार्टी है। संघ परिवार का घटक होने के नाते उसके कुछ विचार स्पष्ट हैं। जो भी नेता विचारधारा के प्रति समर्पित होगा, वह छोटे स्तर की राजनीति नहीं कर सकता। महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मसलों पर संसद में अमित शाह को बोलते जिन्होंने सुना वे जानते हैं कि अमित शाह विचारधारा के मामले में दिल से बोलते हैं। उन्होंने एक समय कश्मीर के मुद्दे पर किसी सांसद का यह कहते हुए जवाब दिया कि 'नाराज होने की बात क्या करते हो जान दे देंगे', तो एक पत्रकार की टिप्पणी थी कि यह सोच समझकर नहीं अंदर से निकला हुआ वक्तव्य है। तात्पर्य यह कि अभी तक के राजनीतिक जीवन में अमित शाह का ऐसा व्यक्तित्व नहीं रहा है जिससे लगे कि वे योगी आदित्यनाथ या किसी भी दूसरे नेता के कद को छोटा करने की कोशिश करेंगे।

दुष्प्रचार रुके

इसलिए योगी आदित्यनाथ के उत्साहित समर्थक इस तरह के दुष्प्रचार से स्वयं को रोकें। ऐसा नहीं है कि योगी आदित्यनाथ की मर्जी से वे ऐसा कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ लोकप्रिय नेता हैं और यह पूरी बीजेपी के हित में है कि वे ज्यादा लोकप्रिय हों। बीजेपी में प्रधानमंत्री का पद अभी रिक्त भी नहीं है कि उसके लिए किन्हीं दो नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा शुरू हो जाए। जो लोग योगी को अभी से प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाने का अभियान चला रहे हैं, उन्हें किसी तरह का समर्थन या प्रोत्साहन मिलना स्वयं योगी आदित्यनाथ एवं संपूर्ण बीजेपी के लिए घातक होगा।

किराए पर कब तक चलेंगे सेंट्रल स्कूल

भूपेन्द्र पटेल

भारत के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार की शिक्षा व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है। इसमें भी सबसे अधिक स्कूली शिक्षा की व्यवस्था खराब हो रखी है। हाल यह है कि बिहार प्राथमिक स्कूलों में लगभग 75 प्रतिशत क्लासरूम की कमी है। कक्षा 1 से 8 तक चाहिए 8 लाख टीचर, मगर हैं लगभग 3 लाख 75 हजार।

राइट टू एजुकेशन के तहत 6 से 14 वर्ष के बच्चे पर होने वाला खर्च देखें, तो पाते हैं कि सभी राज्यों को 18029 रुपये खर्च करने है। 2018 की एमएचआरडी की रिपोर्ट बताती है कि बिहार में प्रति विद्यार्थी हर साल प्राथमिक शिक्षा के मद में 7453 और माध्यमिक शिक्षा में 6020 रुपये खर्च करती है। यह तस्वीर तब और साफ होती है, जब हम बिहार की तुलना अन्य प्रदेशों, केंद्रीय विद्यालय संगठन या नवोदय विद्यालय से करते हैं। केंद्रीय विद्यालय लगभग 35000 रुपये प्रति विद्यार्थी खर्च कर रहा है। नवोदय विद्यालय प्रति विद्यार्थी 85000 खर्च करता है। गोवा लगभग 68000, दिल्ली 78000, हिमाचल प्रदेश 60000, तमिलनाडु 23000, केरल लगभग 39000 और कर्नाटक लगभग 22000 रुपये प्रति विद्यार्थी खर्च करते हैं।

मगर यही केंद्रीय विद्यालय जब बिहार में होते हैं तो इनकी हाल राज्य की खस्ता शिक्षा व्यवस्था से अलग नहीं दिखती। आज भारत में 1248 सेंट्रल स्कूल हैं, जबकि 3 स्कूल भारत के बाहर मॉस्को, तेहरान और काठमांडू में हैं। एक स्कूल भूटान सरकार को ट्रांसफर कर दिया गया है, जो अब इंडो-भूटान सेंट्रल स्कूल के नाम से जाना जाता है। 1248 केंद्रीय विद्यालयों में से 48 बिहार में हैं। इनमें सबसे पुराना सेंट्रल स्कूल जवाहर नगर में है, जो 1965-66 में खुला था। इसके बाद गया में केंद्रीय विद्यालय 1967-68 में खुला था।

बिहार के 48 केंद्रीय विद्यालयों में से 39 सिविल सेक्टर के हैं, 6 डिफेंस के 3 प्रॉजेक्ट सेक्टर के हैं। 39 सिविल सेक्टर केंद्रीय विद्यालयों में से 19 के पास अपनी इमारत नहीं है। वे किराए की इमारतों में चल रहे हैं। जिन सेंट्रल स्कूलों के पास अपनी इमारत है, उसमें हर एक में औसतन लगभग 1500 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। मगर जिनके पास अपनी इमारत नहीं है, उसमें से हर एक में 450 से ज्यादा बच्चे नामांकित ही नहीं हो पाते। स्थायी भवन के लिए अगर राज्य सरकार जमीन दे

देती, तो जितने विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, उससे तीन गुना अधिक को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिलती।

1990 से 2005 के बीच में 19 सिविल सेक्टर के केंद्रीय विद्यालय बिहार में खुले। 2006 से 2022 तक सिविल सेक्टर के 9 केंद्रीय विद्यालय और खुले। जिन जिलों में एक भी केंद्रीय विद्यालय नहीं है, उन सभी में विद्यालय बनाने का प्रस्ताव 2016 में भारत सरकार ने मंत्रालय की योजना में शामिल किया। छह साल पहले कैमूर, शेखपुरा, मधुबनी, मधेपुरा, सुपौल, अरवल, नवादा जिलों के लिए प्रदेश सरकार से प्रस्ताव मांगा गया, जो अभी तक भेजा ही नहीं गया। 2018 में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग ने देश भर में कुल 13 केंद्रीय विद्यालयों के लिए स्वीकृति दी, जिसमें से 2 विद्यालय बिहार को मिले। एक नवादा जिले के नवादा में और दूसरा औरंगाबाद जिले के देवकुंड में। देश भर के बाकी 11 सेंट्रल स्कूल बनकर चलने लगे, मगर बिहार के इन दोनों स्कूलों में पिछले चार सालों से सत्र ही नहीं शुरू हुआ है। यह हाल तब है, जब केंद्र सरकार इन स्कूलों का 100 फीसदी खर्च उठाती है, सिर्फ जमीन राज्य को देनी होती है।

बिहार सरकार पिछले 5 वर्षों से केंद्रीय विद्यालय संगठन को पत्र लिख रही है कि केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए फ्री में वह जमीन तब देगी, जब उसे उनमें 75 फीसदी स्थानीय बच्चों के ही नामांकन करने की अंडरटेकिंग दी जाए। बिहार सरकार की यह शर्त सिरे से बेवजह की है। केंद्रीय विद्यालय संगठन की रिपोर्ट कहती है कि सभी केंद्रीय विद्यालयों में यह संख्या पहले ही 82 से लेकर 100 प्रतिशत है। सिविल सेक्टर में ही सभी प्रस्ताव स्वीकृत हैं, जहां स्थानीय बच्चों का नामांकन 100 फीसदी तक है। इस तरह की शर्तें लगाने से अच्छा था कि बिहार सरकार यही रिपोर्ट देख लेती तो कम से कम 50 हजार बच्चों को हर साल टॉप लेवल की एजुकेशन मिल सकती थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचें सम्मानजनक पदों पर बैठे लोग

मुंबई: बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सम्मानजनक पदों पर बैठे लोगों को अन्य गणमान्य लोगों के बारे में गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए। ऐसा करके उन्हें नई पीढ़ी के लिए एक नजीर कायम करना चाहिए। जस्टिस पी बी वराले की अगुवाई वाली बेंच केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राणे ने पिछले साल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ अपने बयान को लेकर धुले जिले में दर्ज की गई एफआईआर खारिज करने की मांग की है।

कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से भी जानना चाहा कि क्या पुलिस यह बयान देने की इच्छुक है कि वह राणे के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई से परहेज करेगी। हाईकोर्ट ने कहा कि सम्मानजनक पदों पर बैठेव्यक्तियों को अन्य गणमान्य लोगों के बारे में गैर जिम्मेदाराना बयान देने से बचना चाहिए...क्यों याचिकाकर्ता (राणे) अदालत में आकर यह नहीं कहते हैं कि जो हो गया, वह हो गया? हम सभी के प्रति सम्मानजनक होने का फैसला करें। हम दूसरे को गलत संकेत न दें। अदालत ने कहा कि नई पीढ़ी के लिए एक नजीर कायम करना चाहिए। आखिरकार महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसकी समृद्ध धरोहर है।

यह है पूरा मामला

हाईकोर्ट ने कहा कि अतीत में एक वरिष्ठतम विपक्षी नेता मोर्चा लेकर मंत्रालय पहुंच गए थे, जिसके बाद मुख्यमंत्री अपने कक्ष से बाहर आए। वह उन्हें अपने साथ अंदर ले गए और उनकी बात सुनी, ऐसी थी हमारी धरोहर। पिछले साल अगस्त में राणे ने भारत की आजादी के बारे में उद्धव ठाकरे की अनभिज्ञता का दावा करते हुए उन्हें थप्पड़ मारने की बात कही थी। इस पर विवाद पैदा हो गया था। राणे को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया था।

धनंजय मुंडे से 5 करोड़ का हफ्ता मांगने वाली महिला गिरफ्तार

मुंबई: महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे से पांच करोड़ एक्सटॉर्शन मांगने वाली महिला को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस महिला ने मुंडे को पैसे ना देने पर बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी थी।

रेनू शर्मा नाम यह महिला फिलहाल पुलिस की हिरासत में है। आरोपी महिला ने मुंडे के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में बलात्कार की शिकायत भी दर्ज करवाई थी।

हालांकि बाद में महिला ने इस शिकायत को वापस ले लिया था। इसके बाद महिला ने फरवरी और मार्च के महीने में इंटरनेशनल नंबर से फोन करके मुंडे से पांच करोड़ रुपए कीमत की दुकान और महंगा मोबाइल फोन मांगा था।

पुलिस स्टेशन में शिकायत

धनंजय मुंडे ने एक महिला के खिलाफ पांच करोड़ रुपए का एक्सटॉर्शन मांगने की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई थी। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी । शिकायत के अनुसार एक परिचित महिला ने पांच करोड़ रुपए की मांग धनंजय मुंडे से की थी। पैसे न देने पर बलात्कार का झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी देने का भी आरोप धनंजय मुंडे ने महिला के खिलाफ अपनी शिकायत में लगाया था। इस मामले में मुंबई के मलबार हिल पुलिस स्टेशन एक्सटॉर्शन की एफआईआर(FIR) की गई है। फिलहाल इस मामले को तफ्तीश के लिए क्राइम ब्रांच(Crime Branch) को सौंप दिया गया है। अब सवाल यह भी उठता है कि आखिर एक मंत्री से पांच करोड़ का हफ्ता मांगने वाली महिला कौन है?

क्या है मामला ?

कैबिनेट मंत्री धनंजय मुंडे को धमकी देने वाली और उनसे पांच करोड़ रुपए की मांग करने वाली महिला ने उन्हें फरवरी से मार्च महीने के बीच में इंटरनेशनल नंबर से फोन किया था। इंटरनेशनल नंबर से फोन करने के बाद महिला ने उनसे पांच करोड़ की दुकान और महंगे मोबाइल फोन की मांग की थी। मांग पूरी न होने की सूरत में सोशल मीडिया पर धनंजय मुंडे की बदनामी करने की धमकी महिला ने दी थी। इस धमकी के बाद धनंजय मुंडे ने एक पहचान के व्यक्ति के माध्यम से महिला को तीन लाख रुपये और एक महंगा मोबाइल फोन कुरियर के द्वारा भेजा था। हालांकि महिला ने इसके बाद भी धनंजय मुंडे से पांच करोड़ रुपए देने की मांग जारी रखी। जिसके बाद धनंजय मुंडे ने इस बात की शिकायत पुलिस स्टेशन में की थी।

सुप्रीम कोर्ट: ओबीसी आरक्षण मामले में फिर टली सुनवाई

नई दिल्ली. महाराष्ट्र सरकार की ओर से पारित किए गए ओबीसी राजनीतिक आरक्षण एक्ट को चुनौती देनी वाली याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई फिर से टल गई। अब इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट 25 अप्रैल को सुनवाई करेगा। जस्टिस एएम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आज मामले पर सुनवाई हुई। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट से मामले में विस्तृत एफिडेविट प्रस्तुत करने के लिए और समय दिए जाने का अनुरोध किया, जिसके बाद पीठ ने सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी। इससे पहले इस मामले में कोर्ट में 7 अप्रैल को सुनवाई होनी थी, जिसे 21 अप्रैल तक के लिए टाल दिया गया था।

स्थानीय कोर्ट:सदावर्ते को कोर्ट ने 25 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई. दो समूहों के बीच नफरत फैलाने से जुड़े एक मामले में कोल्हापुर की स्थानीय कोर्ट ने आरोपी वकील गुणरत्न सदावर्ते को 25 अप्रैल तक के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया है। कोल्हापुर पुलिस ने बुधवार को सदावर्ते को अपनी हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें गुरुवार को कोल्हापुर की कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस के हिरासत आवेदन पर गौर करने के बाद कोर्ट ने सदावर्ते को 25 अप्रैल तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया।

नाना पटोले का आरोप: जनता खोलेगी भाजपा की पोल

नागपुर। महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध पोल खोल आंदोलन चला रही भाजपा पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि भाजपा चाहे जितना आंदोलन कर लें लेकिन आगामी मनपा चुनाव में उसकी वास्तविकता सामने आ जाएगी। जनता ही भाजपा की पोल खोलेगी। पटोले ने यह भी कहा कि कोल्हापुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सभी ने ट्रेलर देख लिया है। भाजपा चुनाव देख घोड़ाबाजार की तैयारी में जुट जाती है। पटोले ने कहा कि राज्य में भाजपा परेशान है। मंत्रियों को जेल में डाला जा रहा है। अनेक धार्मिक मुद्दे खड़े किए जा रहे हैं। लेकिन महाविकास आघाडी सरकार अस्थिर नहीं हो रही है।

फोन टैपिंग विवाद:शिवसेना सांसद बोले-मेरा और एकनाथ खडसे का फोन टैप करने वाले अधिकारी को सुरक्षा दे रही केंद्र सरकार

शिवसेना सांसद संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि उन्हें और छह बार के विधायक एकनाथ खडसे को "असामाजिक तत्व" बता पूर्व की सरकार ने 2019 में क्रमश: 60 और 67 दिनों तक फोन टैप करवाया। अवैध फोन टैपिंग की कवायद तब की गई जब भारतीय पुलिस सेवा (IPS) अधिकारी रश्मि शुक्ला 31 मार्च, 2016 और 3 अगस्त, 2018 के बीच पुणे पुलिस की आयुक्त थीं। बाद में उन्होंने 2018 से 2020 तक राज्य के खुफिया विभाग (एसआईडी) आयुक्त का पद संभाला था।

शुक्ला फिलहाल हैदराबाद में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (दक्षिण क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। राउत ने कहा कि जिसने हमारे फोन टैप किए, उसे केंद्र सरकार सुरक्षा दे रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बता दें कि इस साल फरवरी में शुक्ला के खिलाफ दर्ज एक FIR के अनुसार, यह भी सामने आया है कि पूर्व सांसद नाना पटोले और संजय काकड़े सहित कम से कम चार अन्य राजनेताओं के निजी फोन को निगरानी में रखा गया था। पुणे पुलिस की ओर से 2017 और 2018 के बीच... इस ढोंग के तहत कि वे ड्रग डीलर और गैंग लॉर्ड थे और झूठे नामों का इस्तेमाल कर रहे थे।

'सरकार के गठन को लेकर हमारी जासूसी की गई'

राउत ने कहा, "चाहे मैं हूं, एकनाथ खडसे या नाना पटोले हों... हमें गलत तरीके से असामाजिक तत्वों के रूप में लेबल किया गया। रश्मि शुक्ला ने हमारे फोन टैप करने की इजाजत मांगी; फोन नंबर हमारे थे लेकिन नंबरों के सामने नाम कुछ ड्रग पेडलर्स, गैंग-रनर, असामाजिक तत्वों आदि के थे। इससे हमारी निजता भंग हुई, क्योंकि वे महाराष्ट्र के गठन के बारे में डेवलपमेंट को जानने के लिए हमारी जासूसी करना चाहते थे।"

'फोन टैप करने वाले अधिकारी को केंद्र से मिल रही सुरक्षा'

फोन टैपिंग की घटना को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा, "जिस पुलिस अधिकारी से हम तटस्थ होकर काम करने की उम्मीद करते हैं, वह किसी नेता या पार्टी के प्रति वफादारी दिखाने का काम कर रहा था। अधिकारी को अब केंद्र की ओर से सुरक्षा दी जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।"

'ऐसे मामलों में अंतिम मंजूरी मुख्यमंत्री से मिलती है'

वहीं, खडसे ने कहा, "मेरा फोन 67 दिनों तक एक अलग नाम से और इस बहाने से टैप किया गया कि मैं असामाजिक गतिविधियों में शामिल हूं। मेरा मानना है कि शुक्ला एक अधिकारी हैं और बिना आदेश प्राप्त किए उनके लिए फोन टैप करना संभव नहीं है। ऐसे मामलों में अंतिम मंजूरी मुख्यमंत्री से मिलती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा में रहते हुए भी मेरा फोन टैप किया गया। मामले की जांच होनी चाहिए और फोन टैपिंग का आदेश किसने दिया और क्यों... यह सब लोगों के सामने आने की जरूरत है।"

पालघर केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

आधी से ज्यादा फैक्ट्री खाक, प्रोडक्ट मैनेजर की मौत; धुएं से सांस लेने में हो रही तकलीफ

मुंबई से सटे पालघर जिले के तारापुर एमआईडीसी में भीषण आग लगी है। यह आग 'केंबोंड कैमिकल्स' नाम की फैक्ट्री में लगी है। फैक्ट्री में भारी मात्रा में ज्वलनशील केमिकल होने के कारण आग लगातार बढ़ रही है। फैक्ट्री से निकलने वाला धुआं आसपास फैल रहा है और वहां रहने वाले लोगों ने सांस लेने में दिक्कत होने की बात कही है।

ताजा जानकारी के मुताबिक, इसमें कंपनी के प्रोडक्ट मैनेजर की मौत हुई है। इसके अलावा कुछ लोगों के घायल होने की जानकारी भी सामने आ रही है।

लगातार हो रहे हैं धमाके

तारापुर फायर ब्रिगेड के मुताबिक, दमकल की आधा दर्जन गाड़ियां, दो एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर आग बुझाने के काम में जुटी हुई है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन इससे फैक्ट्री को बड़ा नुकसान हुआ है। आग के बाद केमिकल ड्रमों में लगातार धमाके हो रहे हैं। फायर ब्रिगेड के मुताबिक, यह लेवल 3 यानी बहुत भीषण आग है। इससे फैक्ट्री के एक बड़े हिस्से को नुकसान हुआ है। केमिकल की आग बुझाने के लिए फोम का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। इस आग को बुझाने में कई घंटे लग सकते हैं।

खार वेस्ट में एक इमारत में लगी भीषण आग

मुंबई के खार वेस्ट इलाके में भी सुबह 11 बजे भीषण आग लगी है। यह आग नोथान विला बिल्डिंग के फोर्थ फ्लोर में लगी है। मौके पर दमकल की 8 गाड़ियां और 4 जेट पहुंचे हुए हैं। आग बुझाने का काम जारी है और पूरी सोसाइटी को खाली करवा लिया गया है। लेवल 2 की इस आग में अभी तक किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

जमानत के बाद भी 10 माह से जेल में है आरोपी

नागपुर. आर्थिक अपराध में घिरे 2 आरोपियों पर निचली अदालत द्वारा लगाई गई जमानत की शर्तें इतनी भारी पड़ रही हैं कि जमानत मिलने के बावजूद वे केवल इसलिए जेल में हैं, क्योंकि वे शर्तें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। दरअसल, आरोपी रामकृष्ण दुबे और सतीशचंद्र मिश्रा पर विदर्भ के विविध पुलिस थानों में भादवि 406, 420 और एमपीआईटी अधिनियम धारा 3 के तहत मामले दर्ज हैं। आरोपी गैलेक्सी एसोसिएट्स के निदेशक हैं। उन पर निवेशकों से 7.08 करोड़ रुपए ठगने का आरोप है। आरोपियों के खिलाफ ऐसे कुल 26 मामले हैं, जिन पर नागपुर की विशेष एमपीआईडी में संयुक्त रूप से सुनवाई चल रही है।

पत्नी गर्भवती, इसलिए स्टेशनरी घोटाले के आरोपी को जमानत

नागपुर. मुख्य न्याय दंडाधिकारी एस.बी. पवार ने बुधवार को नागपुर महानगरपालिका के स्टेशनरी घोटाले में मुख्य आरोपी अतुल मनोहर साकोरे को जमानत प्रदान की है। साकोडे पेशे से ठेकेदार है और उसे इस पूरे घोटाले का मुख्य सूत्रधार बताया जाता है। वर्क ऑर्डर न होते हुए भी लाखों रुपए के बिल निकालने, महत्वपूर्ण पासवर्ड दूसरे व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए देने, अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर करके बिल पास करने, कोविड-19 में हेर-फेर करने जैसे कई आरोप साकोरे पर है।

बाल विवाह रोका : लिया लिखित वचन, नियम अनुसार ही करेंगे अब शादी

नागपुर. एक किशोरी का विवाह 22 अप्रैल को तय हुआ था। बाल संरक्षण विभाग की सतर्कता से यह बाल विवाह रुक गया। किशोरी के पालकों से लिखित हामी पत्र लेकर 18 साल पूरे होने के बाद ही विवाह रचाने की ताकीद देकर छोड़ दिया गया। जरीपटका परिसर में 16 वर्षीय किशोरी का मध्य प्रदेश के लांजी तहसील अंतर्गत बेलगांव निवासी युवक से रिश्ता तय हुआ।

महाराष्ट्र स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर ने CISCE से की अपील – बिना टीकाकरण वाले छात्रों को भी दें परीक्षा में बैठने का मौका

काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन की बोर्ड परीक्षाएं 25 अप्रैल से शुरू हो जाएंगी. कुछ समय पहले बोर्ड ने निर्देश जारी किए थे कि परीक्षा में बैठने वाले छात्रों का वैक्सीन लगवाना अनिवार्य है. इस मुद्दे पर महाराष्ट्र की राज्य शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ के पास कई अभिभावक और छात्र प्रार्थना लेकर पहुंचे कि बिना वैक्सीन के भी उन्हें परीक्षा में बैठने का मौका दिया जाए. दरअसल कई छात्र ऐसे हैं जिन्हें वैक्सीन नहीं लगी है पर वे इस कारण से परीक्षा छोड़ना नहीं चाहते.

क्या कहना है शिक्षा मंत्री का – राज्य शिक्षा मंत्री ने इस मामले में बोर्ड (CISCE Board 2022) को अर्जेंट स्पष्टीकरण देने को कहा है. साथ ही आग्रह भी किया है कि गैर-टीकाकारण वाले छात्रों को भी परीक्षा देनी दी जाए. उन्होंने ट्वीट करके ये जानकारी दी. ये नियम काफी समय पहले जारी हुआ था पर इस पर कोई अपडेट नहीं किया गया. ट्वीट से दी जानकारी – शिक्षा मंत्री ने कहा कि, 'आईसीएसई परीक्षा के लिए कुछ छात्र सीआईएससीई द्वारा 4 जनवरी, 2022 को जारी एक एडवाइजरी, लेकर मेरे पास पहुंचे हैं, जिसमें बोर्ड परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी लोगों के लिए कोविड टीकाकरण अनिवार्य है. कुछ स्कूल इसका हवाला देते हुए कह रहे हैं कि बिना टीकाकरण वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यह सुप्रीम कोर्ट में केंद्र के हलफनामे के बावजूद किया जा रहा है जिसमें कहा गया है कि टीके अनिवार्य नहीं हैं'. उन्होंने आगे कहा कि उनके ऑफिस द्वारा पहले ही बोर्ड से संपर्क किया जा चुका है. इस मामले में स्कूलों का कहना है कि जब तक नए निर्देश जारी नहीं होते स्कूल पुराने निर्देशों के अनुसार ही काम कर रहे हैं. इसीलिए कुछ छात्र परेशान हो रहे हैं. इस बारे में शिक्षा मंत्री ने भी कहा कि, हालांकि टीके जरूरी हैं पर टीकाकरण न होने पर छात्रों को परीक्षा देने से वंचित रखना भेदभावपूर्ण होगा.

कोरोना के बढ़ते ग्राफ के बीच मुंबई लोकल में 70 लाख के पार पहुंचा डेली यात्रियों का आंकड़ा

मुंबई : देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा होने लगा है। मुंबई में भी हल्की सी वृद्धि दिखाई दे रही है। दूसरी ओर लॉकडाउन के बाद पहली बार लोकल ट्रेनों में डेली यात्रियों का आंकड़ा भी 70 लाख के पार हुआ है। कोविड से पहले मुंबई लोकल में रोजाना 78-80 लाख यात्री सफर किया करते थे। यात्रियों की बढ़ती संख्या एक सुखद संकेत है, तो देशभर में कोरोना के मामलों का उठता हुआ ग्राफ प्रशासन की चिंता बढ़ा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि बमुश्किल लोग मुश्किल दौर से निकले हैं, कामकाजी संस्थान खुलने लगे हैं। ऐसे में अब और किसी तरह के प्रतिबंध झेलने के लिए शहर तैयार नहीं हैं।

सार्वजनिक परिवहन में एक करोड़ यात्री

यहां मुंबई लोकल में अब रोजाना 70-72 लाख लोग यात्रा करने लगे हैं, वहीं बेस्ट और मेट्रो इत्यादि में रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की संख्या जोड़ दें, तो करीब एक करोड़ यात्री रोजाना मुंबई में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का उपयोग कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बेस्ट में करीब 30 लाख यात्री रोजाना चल रहे हैं और अगले 3-4 महीनों में 35 लाख यात्री रोजाना का अनुमान है। ट्रेनों में अब रोजाना पहले की तरह भीड़ दिखाई देने लगी है। मध्य रेलवे पर करीब 40-42 लाख, तो पश्चिम रेलवे पर रोजाना करीब 28-30 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि ट्रेनों में लोगों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। मध्य रेलवे पर कभी यात्रियों की संख्या 45 लाख तक चली जाती है। मध्य रेलवे अभी रोजाना 1810 सर्विस चलाती है।

एसी लोकल की बढ़ी डिमांड

भीड़ बढ़ने के साथ ही लोगों को मुंबई लोकल का 'कूल' मॉडल भी पसंद आ रहा है। इसकी डिमांड बढ़ रही है, लेकिन प्रशासन के पास फिलहाल सर्विस बढ़ाने का कोई विकल्प नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) से आने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर गर्मी भी अपने तेवर दिखा रही है, तो रेलवे को एसी लोकल को सही ढंग से चलाने के बारे में विचार करना चाहिए। खासतौर से पीक ऑवर्स में एसी लोकल की संख्या को बढ़ाना चाहिए। मध्य रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में सबसे ज्यादा डोंबिवली से एसी लोकल के 80,637 यात्री हैं।

इसके बाद ठाणे से 70,550 और कल्याण से 60,633 यात्री हैं। मेनलाइन पर प्रत्येक सर्विस में रोजाना औसतन 415 यात्री सफर करते हैं, तो सीएसएमटी-गोरेगांव रूट पर इनकी संख्या 235 यात्री प्रति सर्विस है। सीएसएमटी-पनवेल यानी हार्बर लाइन पर सबसे कम औसतन 90 यात्री प्रत्येक सर्विस में चलते हैं।

मुंबई में चलती हैं 80 एसी लोकल

मध्य रेलवे पर पांचवी-छठी लाइन के बाद एसी लोकल की संख्या 60 हो गई है, तो पश्चिम रेलवे पर रोजाना 20 एसी लोकल सेवाएं चलती हैं। एक अधिकारी ने बताया कि जिस तरह से हार्बर लाइन पर एसी लोकल को धीमा प्रतिसाद मिला है, इसे मेनलाइन पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। दूसरी ओर पश्चिम रेलवे की एसी लोकल में भीड़ दिखाई देती है। यहां मार्च में रोजाना एसी लोकल से औसतन 15,355 यात्री सफर करते थे। पश्चिम रेलवे पर सामान्य यात्रियों की संख्या भी अब 30 लाख तक पहुंचने लगी है। पश्चिम रेलवे पर रोजाना 1375 सर्विस चल रही हैं।

क्या है बेस्ट बसों की स्थिति

कोरोना काल के दौरान बेस्ट की बसें मुंबई की जीवन रेखा बनी थीं। इन बसों में अब यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। यहां रोजाना यात्रियों की संख्या 30 लाख के पास पहुंचने लगी है। पिछले साल लॉकडाउन में ढील के बावजूद रोजाना औसतन 20-25 लाख यात्री बेस्ट बसों की सेवाएं ले रहे थे। बेस्ट ने पिछले कुछ समय से यात्री सुविधाओं में इजाफा किया है। इसमें 'चलो' ऐप और स्मार्ट कार्ड को जोड़ने से बेस्ट को फायदा हुआ है। अब टिकटिंग प्रणाली को भी बेस्ट सुधारने जा रही है। बसों के गेट पर कार्ड रीडर लगाए जा रहे हैं जिनमें यात्री बोर्ड करने के दौरान टैप इन और उतरते वक्त टैप आउट कर सकता है। इससे यात्री की टिकट स्वत: ही बुक हो जाएगी। जो बसें रिंग रूट पर चल रही हैं, उनमें इस तरह की प्रणाली लागू करने की योजना है। बेस्ट के बेड़े में अभी 600 के आसपास वातानुकूलित बसें हैं। ये बसें 174 रूट्स पर चलती हैं। रिंग रूट पर सवारी करने वाले यात्रियों के लिए बिना कंडक्टर की सर्विस देने की योजना है।

12 घंटे के भीतर 5 IPS अधिकारियों के तबादले पर लगी रोक

पुलिस बल में बड़ा फेरबदल करने के एक दिन बाद, महाराष्ट्र गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पांच अधिकारियों की पदोन्नति और तबादलों पर गुरुवार को रोक लगा दी. विभाग ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्तर के 11 अधिकारियों को उप महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर पदोन्नत कर तबादला करने का आदेश जारी किया था. इन अधिकारियों के तबादले पर लगाई गई है रोक नए आदेश के मुताबिक, इनमें से आईपीएस अधिकारी राजेंद्र माने (डीसीपी, राज्य खुफिया विभाग), महेश पाटिल (डीसीपी, अपराध, मीरा-भयंदर), संजय जाधव (एसपी, राजमार्ग सुरक्षा), पंजाबराव उगाले

(एसपी, एसीबी, ठाणे) और दत्तात्रेय शिंदे (एसपी, पालघर)की पदोन्नति तैनाती पर रोक लगा दी गई है. उनकी पदोन्नति और तैनाती रोकने के कारण का फौरन पता नहीं चल सका है. महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी सरकार है जिसमें गृह विभाग शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास है. गृह मंत्रालय ने दिया है यह आदेश राज्य सरकार ने बुधवार को नासिक के पुलिस आयुक्त दीपक पांडे और पिंपड़ी-चिंचवड़ के आयुक्त कृष्ण प्रकाश सहित लगभग 40 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पदोन्नत दी थी या उन्हें स्थानांतरित किया था. आपको बता दें कि मुंबई क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमीश्नर मिलिंद भारम्बे का तबादला राज्य के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) (कानून व्यवस्था) के तौर पर किया गया था.

क्या आपको अपने व्यवसाय के लिए एक वेबसाइट की आवश्यकता है?

हिरल शाह

ऑनलाइन दुनिया तेज-तर्रार और हमेशा बदलती रहती है। एक गुणवत्ता गढ़ी गई वेबसाइट होने से आपके व्यवसाय की एक ठोस उपस्थिति होनी चाहिए। इसके बिना, आप पिछड़ जाएंगे, जबकि आपके प्रतियोगी वक्र से आगे रहेंगे। इसके अलावा, आपके अन्य सभी मार्केटिंग प्रयासों के लिए एक वेबसाइट होना एक पूर्वापेक्षा है।

आज हम मुख्य कारणों पर गौर करते हैं कि एक तैयार की गई वेबसाइट होने से आपके व्यवसाय को कैसे लाभ हो सकता है?

1. एक वेबसाइट आपको पेशेवर बनाती है

आज के 84% उपभोक्ता सोचते हैं कि एक वेबसाइट आपके व्यवसाय को उन कंपनियों की तुलना में अधिक विश्वसनीय बनाती है जिनके पास केवल सोशल मीडिया प्रोफाइल है। आपकी वेबसाइट आपके व्यवसाय के किसी भी पेशेवर प्रमाणन या पुरस्कार को दिखाने के लिए भी एक आदर्श स्थान है।

इसके अलावा, आपकी अपनी वेबसाइट होने से आप एक ब्रांडेड ईमेल पता (जैसे info@yoursite.com) बना सकते हैं जो आपके सभी पत्राचार में व्यावसायिकता का स्तर जोड़ता है।

2. आपकी वेबसाइट Google के माध्यम से नए ग्राहकों को आकर्षित कर सकती है

आप अपने व्यवसाय के वर्तमान आकार से खुश हो सकते हैं, लेकिन प्रत्येक कंपनी ग्राहक कारोबार का अनुभव करती है। निरंतर सफलता को प्रोत्साहित करने के लिए, आपको नए ग्राहकों को आकर्षित करने की आवश्यकता है, और इसे करने का एक सबसे अच्छा तरीका है कि आप स्वयं को Google पर अधिक दृश्यमान बनाएं। सोशल मीडिया नेटवर्क Google पर अनुक्रमित हैं, और सोशल मीडिया पोस्ट खोज इंजन के साथ मिल सकते हैं,

लेकिन एक वेबसाइट आपको सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) के लिए कई और टूल और रणनीतियों तक पहुंच प्रदान करती है। और S E O आपके व्यवसाय को Google के पहले पन्ने पर प्रदर्शित करने की कुंजी है।

3. आप अपने उत्पादों और सेवाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कर सकते हैं

आप संभावित ग्राहकों को आपकी वेबसाइट पर उच्च-गुणवत्ता वाली फ़ोटोग्राफ़ी प्रदर्शित करके दिखा सकते हैं कि जब वे आपके साथ काम करेंगे तो उन्हें क्या मिलेगा। एक और चीज जो आप कर सकते हैं वह यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सही ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं, अपनी वेबसाइट पर अपने उत्पादों और सेवाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रकाशित करें।

4. आप अपनी सर्वश्रेष्ठ समीक्षाओं और प्रशंसापत्रों को अपनी वेबसाइट पर प्रमुखता से प्रदर्शित कर सकते हैं

अपनी वेबसाइट पर अपनी सर्वश्रेष्ठ समीक्षाओं और/या प्रशंसापत्रों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना सामाजिक प्रमाण स्थापित करने का एक शानदार तरीका है। यह व्यक्तिगत ग्राहक प्रशंसापत्र के रूप में आ सकता है

5. एक वेबसाइट ग्राहकों को आपसे संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है

संभावित ग्राहकों को आपकी संपर्क जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने के लिए एक वेबसाइट एक बेहतरीन जगह है।

आप अपनी संपर्क जानकारी को शीर्षलेख या पाद लेख में भी प्रकाशित कर सकते हैं ताकि यह प्रत्येक पृष्ठ पर दिखाई दे।

6. आप अपनी वेबसाइट को Google मानचित्र के साथ एकीकृत कर सकते हैं ताकि लोग आपको अधिक आसानी से ढूंढ सकें

एक वेबसाइट आपको मानचित्रों को सीधे अपनी सामग्री में एम्बेड करने देती है। एक एम्बेड किया गया नक्शा उन लोगों के लिए आसान बनाता है जो आपके क्षेत्र में आपका व्यवसाय खोजने में बहुत समय नहीं लगाते हैं।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है सूर्य की रोशनी, विटामिन-डी के अलावा इन फायदों के बारे में भी जानिए

हमारी बेहतर सेहत के लिए कई प्रकार के पोषक तत्वों की दैनिक आवश्यकता होती है, विटामिन-डी उनमें से एक है। हड्डियों को स्वस्थ रखने के साथ कोशिकाओं और शरीर की बेहतर प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इस विटामिन की जरूरत होती है। सूर्य की रोशनी को विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यही कारण है कि सभी लोगों को रोजाना सुबह की हल्की धूप में वॉक करने की सलाह दी जाती है। सूर्य की रोशनी सिर्फ विटामिन-डी के लिए ही नहीं, शरीर के लिए कई अन्य प्रकार से भी लाभदायक मानी जाती है। रोजाना सूर्य के प्रकाश में कुछ समय बिताने की आदत आपके सेहत को गजब का बूस्ट दे सकती है।

कई अध्ययनों से पता चलता है कि चूंकि शहरी क्षेत्रों में लोगों को रोजाना पर्याप्त मात्रा में सूर्य की रोशनी नहीं मिल पाती है, जिसके कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ गया है। कम उम्र में ही लोगों को हड्डियों और त्वचा की समस्याएं होने लगी हैं। वैसे बहुत अधिक समय तक सूर्य की रोशनी भी नुकसानदायक हो सकती है। इससे निकलने वाली यूवी विकिरण के अत्यधिक संपर्क से

त्वचा कैंसर हो सकता है। रोजाना सूर्यादय के समय की हल्की धूप में वॉक करने की आदत बनाएं, यह आपकी सेहत के लिए कई तरह से लाभदायक हो सकता है। आइए सूर्य के प्रकाश से होने वाले विभिन्न स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तार से जानते हैं।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन-डी की आवश्यकता होती है। सूर्य की रोशनी इसका सबसे अच्छा स्रोत मानी जाती है। शोध से पता चलता है कि सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर हमारा शरीर विटामिन-डी का उत्पादन करता है । विटामिन-डी शरीर में कैल्शियम की उचित मात्रा बनाए रखने में सहायक है, ऐसे में सूर्य की रोशनी के संपर्क में रहना आपके लिए विशेष लाभप्रद हो सकता है। कैल्शियम, हड्डियों को मजबूत करने, पतले होने और आसानी से टूटने से बचाने में सहायक है।

महेक जोबनपुत्रा

मूड विकारों को कम करती है

सूर्य की रोशनी का संपर्क आपके मूड को बेहतर बनाए रखने में सहायक है। अध्ययनों से पता चलता है कि धूप में समय बिताने से आपका मूड बेहतर होता है। धूप, आपके शरीर में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाती है। सेरोटोनिन, एक न्यूरोट्रांसमीटर है जो मूड को खुश रखने में मददगार मानी जाती है। मन को शांत रखने और ध्यान केंद्रित करने में इसका लाभ है। कुछ शोध बताते हैं कि सर्दियों के महीनों में धूप की कमी के कारण लोगों में मूड से संबंधित विकारों का जोखिम बढ़ जाता है।

आयरन-पोषक तत्वों का भंडार है पालक, पर इसका अधिक सेवन है नुकसानदायक, हो सकती हैं ये दिक्कतें

रंजनबेन मसोया

हरी सब्जियां और साग, विशेषकर पालक का सेवन सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता रहा है। पालक आयरन, विटामिन्स के साथ कई प्रकार के खनिजों और पोषक तत्वों का समृद्ध स्रोत माना जाता है, जिसका सेवन शरीर को कई तरह के लाभ दे सकता है। जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी होती है, पालक उनके लिए भी वरदान माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि तमाम पोषक तत्वों का खजाना पालक, कुछ स्थितियों में आपकी सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अगर आप ज्यादा लाभ प्राप्त करने के चक्कर में रोजाना पालक खाते हैं तो यह आपके शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है।

अध्ययन बताते हैं कि किसी भी चीज का संयमित मात्रा में सेवन करना जितना फायदेमंद है, उसकी अधिकता के उतने ही नुकसान हो सकते हैं। पालक के मामले में भी ऐसा ही है, इसका अधिक सेवन कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। शोध में पता चलता है कि अधिक मात्रा में पालक का सेवन करते रहने के कारण कुछ पोषक तत्वों का अवशोषण प्रभावित हो जाता है जिसके कारण शरीर पर कई तरह के दुष्प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। आइए आगे विस्तार से जानते हैं कि पालक का अधिक सेवन शरीर को किस प्रकार से नुकसान पहुंचा सकता है?

किडनी स्टोन का बढ़ जाता है खतरा

अगर आप भी पालक से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए नियमित रूप से इसका सेवन करते रहते हैं तो इसके कारण किडनी स्टोन बढ़ने का खतरा हो सकता है। पालक उन हरी सब्जियों में से एक है जिसमें सबसे अधिक मात्रा में ऑक्सालिक एसिड होता है। बहुत अधिक पालक खाने से कैल्शियम-ऑक्सालेट का निर्माण होने लगता है, जिससे किडनी में पथरी की समस्या हो सकती है। ऑक्सालेट को किडनी अच्छी तरह से फिल्टर नहीं कर पाती है जिसके कारण पथरी बन सकती है। पालक का अधिक सेवन ब्लड प्रेशर की दवाइयां, विशेषकर खून को पतला करने वाली दवाइयों के प्रभाव को कम कर सकती है। पालक में उच्च स्तर में विटामिन-के होता है, जो रक्त को पतला करने की प्रभावशीलता को कम करता है। जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत होती है, उन्हें स्ट्रोक के खतरे से बचाव के लिए ब्लड थिनर दिए जाते हैं।

जानिए मूली खाने का सही समय और तरीका, फिर न बनेगी गैस और ना होगी पेट की ये समस्या

मूली सेहत के लिए फायदेमंद होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सर्दियों में मूली के सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है, सर्दी खांसी जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। मूली खाने से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है। लेकिन कई लोग मूली खाने से परहेज करते हैं। लोगों की शिकायत होती है कि मूली खाने के बाद उन्हें गैस बनती है, जिससे उन्हें कभी कभी लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ जाता है। कई लोगों को मूली खाने से पेट में दर्द होने की भी शिकायत रहती है। आयुर्वेदाचार्य के मुताबिक इस तरह की समस्या मूली खाने से नहीं होती, बल्कि मूली के सेवन के गलत तरीके से होती है। मूली को खाने का भी एक सही समय होता है। लोग कभी भी या किसी भी तरह से मूली का सेवन करते हैं, परिणामस्वरूप उन्हें पेट में दर्द या अधिक गैस बनने जैसी समस्या हो जाती है। मूली को कभी भी खाली पेट नहीं खाना चाहिए। रात के खाने में भी मूली का सेवन नहीं करना चाहिए।अक्सर लोग मूली को खाने के साथ सलाद के तौर पर खाते हैं लेकिन आपको पकी सब्जियों के साथ सलाद में कच्ची सब्जियां नहीं खानी चाहिए। ऐसा करने से आपके पाचनतंत्र पर दबाव पड़ता है। इसलिए मूली को सुबह के नाश्ते के बाद या दोपहर के खाने से पहले खाना चाहिए। चाहें तो लंच और डिनर के बीच जो ब्रंच टाइम होता है आप उस समय मूली खा सकते हैं। इस समय मूली खाने से आपके शरीर में मूली के सभी पोषक तत्व मिलेंगे और पाचन क्रिया भी

अच्छी होगी। मूली खाने का सही तरीका जानें कच्ची मूली खा रहे हैं तो उसके साथ अन्य कच्ची सब्जियां भी शामिल करें। जैसे खीरा, टमाटर, गाजर आदि को मिलाकर सलाद की तरह खा सकते हैं। मूली खरीदते समय ध्यान दें कि अधिक पकी मूली न खरीदें। इस तरह की मूली खाने के बजाए पतली, छोटी और स्वाद में मीठी मूली का सेवन करें।

मूली को पचने में समय लगता है, इसलिए मूली खाते समय एक स्थान पर न बैठें, बल्कि चलते फिरते रहें। ध्यान दें कि मूली को छीलकर उसमें काला नमक लगाकर खाएं।अगर आपके शरीर में अधिक दर्द रहता है तो आपको मूली का सेवन नहीं करना चाहिए।जो लोग शारीरिक गतिविधि नहीं करते हैं, उन्हें भी मूली खाने से बचना चाहिए। ऐसे लोगों को मूली खाने से पेट दर्द या गैस की समस्या बढ़ सकती है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : राशि स्वामी मंगल की युति शुक्र के साथ रहेगी। क्रोध और आवेश में वृद्धि होगी। कोई भी निर्णय ठंडे और शांत दिमाग से लें। कार्यो को पूरा करने की जल्दबाजी न करें। सतर्क रहें, आपके साथ किसी प्रकार की आर्थिक धोखाधड़ी हो सकती है। शारीरिक व्याधि परेशान करेगी। रक्त संबंधी परेशानी आ सकती है। परिवार में सभी को साथ लेकर चलें।

वृषभ : राशि स्वामी वृषभ की युति मंगल के साथ दशम भाव में है। यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। कार्यो को गति मिलेगी। नए कामकाज प्राप्त होंगे। आजीविका की समस्या दूर होगी। किसी विशेष प्रयोजन से धन का निवेश करेंगे और उससे लाभ अर्जित करेंगे। शारीरिक और मानसिक मजबूती रहेगी।

मिथुन : राशि स्वामी बुध सूर्य और राहु के साथ एकादश भाव में विराजमान है। अचानक धन की आवक हो सकती है। मान-सम्मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अटके हुए कार्य इस सप्ताह प्रारंभ हो जाएंगे। भवन निर्माण से संबंधित बाधाएं दूर होंगी। निवेश की योजना बनेगी। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा।

कर्क : सप्ताह शांतिपूर्ण व्यतीत होगा। परिवार के मांगलिक आयोजनों में शामिल होंगे। आर्थिक स्थिति में थोड़ा सुधार आएगा। पैसों की आवक होने लगेगी। परिवार में भाई-बहनों, सगे-संबंधियों के साथ तालमेल उत्तम रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने के लिए मित्रों का सहयोग लेना होगा। शारीरिक कष्टों में कमी आएगी।

सिंह : राशि स्वामी सूर्य उच्च राशि मेष में भ्रमण कर रहे हैं इस लिहाज से यह सप्ताह आपको मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन की आवक करवाएगा। समाज में प्रतिष्ठित पद प्राप्त हो सकता है। नौकरी में उन्नति, बिजनेस में लाभ प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। धन की आवक एक से अधिक माध्यमों से होगी।

कन्या : इस पूरे सप्ताह राशि स्वामी का गोचर मेष राशि में होगा और सप्ताह के अंतिम दिन 24 अप्रैल को वृषभ राशि में जाएगा। आपकी आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। भूमि, भवन, संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। आपकी क्षमताओं में वृद्धि होगी। शारीरिक स्वस्थता प्राप्त होगी। कार्यस्थल पर सराहना होगी।

तुला : सप्ताह भागदौड़ भरा और स्वजनों से मतभेद वाला रहेगा। अपने कार्यो को पूरा करने के लिए लगे रहना पड़ेगा। किसी के भरोसे न रहें। इस सप्ताह कार्यस्थल पर लोग आपको पीछे धकेलने का प्रयास करेंगे लेकिन आप उन्हें अनेदखा करके उत्साह और आत्मविश्वास से कार्य करते रहें। सप्ताह के मध्य से शांति अनुभव होगी।

वृश्चिक : ग्रहों का गोचर आपको विजेता बनाएगा। किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए मन और लगन से जुटना होगा। आर्थिक समस्याएं समाप्त होंगी। संबंधों की निकटता का लाभ उठाने का प्रयास करें। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन के साथ स्थानांतरण होगा। कारोबारी लोग कर्ज लेकर कार्य का विस्तार करेंगे। वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा।

धनु : कार्य में वृद्धि और आर्थिक संकट दूर करने का यह उत्तम सप्ताह है। अपने कार्यो को गति देने का प्रयास करें। पुराने समय में कोई योजना बना रखी है तो उस पर अमल प्रारंभ करें। लाभ की स्थित बन रही है। मित्रों और स्वजनों से पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा। किसी बड़े कार्य में परिवार के अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। वैवाहिक जीवन सुखद होगा।

मकर : समय आपके पक्ष में है इसलिए कार्य पूरे करने में जी-जान से जुट जाएं। किसी भी काम को टालें नहीं। परिवार में माहौल उल्लासपूर्ण रहेगा। उच्चाधिकारियों से निजी संबंधों का लाभ मिलेगा। नौकरीपेशा को उन्नति प्राप्त होगी। नए कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए सप्ताह उत्तम है। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। आपको विशेष सलाह है किकिसी को भी पैसा इस सप्ताह उधार न दें। अपने कार्यो को स्वयं पूरा करने का प्रयास करें, दूसरों के भरोसे न छोड़े। भूमि, भवन, संपत्ति खरीदी-बिक्री के कार्य करना है तो सप्ताह के प्रथम दो दिन छोड़ दें। पारिवारिक सहयोग पूरी तरह प्राप्त रहेगा। आजीविका के नए साधन प्राप्त होंगे।

मीन : सप्ताह शुभ है। सारे बिगड़े कार्य बन जाएंगे। रिश्तों में आ चुकी कड़वाहट भी दूर होगी। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा और गर्माहट आएगी। पुराने मित्रों से भेंट होगी। उच्चाधिकारियों से संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। शारीरिक रोग दूर होंगे। मन में ऊर्जा और आत्मविश्वास भरा रहेगा। अवसरों का उचित लाभ मिलेगा।

चुटकुले

सोनू सब्जी वाले से: नींबू कैसे दिये।.
सब्जी वाला: नींबू दस रुपये का एक.
सोनू : रूको मैं घर से सलाद की प्लेट लेकर आता हूं उसमें 2 रूपये का निचोड़ देना।

टीचर: चिंटू नदी में नींबू का पेड़ लगा है...तुम नीबू कैसे तोड़ोगे ?
चिंटू: चिड़िया बनकर...
टीचर: तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा ?
चिंटू: जो नदी में नीबू का पेड़ लगाएगा...

रात में घर जा रहा था.. रास्ते सुनसान, कुत्ते भी भौंक रहे थे। सभी घर की लाइट भी बंद, मुझे बहुत डर लगा,
तब मुझे एक विचार आया,
मैं चिल्लाया, "नींबू 20 रुपये किलो”
सभी लोग बाहर आने लगे और घर की सारी लाइटें चालू होने लगी और मैं आराम से घर चला गया।
सूनसान रास्ते भौंक रहे थे कुत्ते, नींबू 20 रुपये किलो चिल्लाते ही बाहर आ गए लोग

हेफ्टीवर्स और सुपरस्टार अजय देवगन रनवे 34 गेम को मेटावर्स में लॉन्च करने के लिए एक साथ आए

भारत, 19 अप्रैल 2022: हंगामा द्वारा वेब 3.0 पहल, हेफ्टीवर्स, मेटावर्स में अगला बड़ा कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्रेणी-प्रथम कदम में, ब्रांड बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक अजय देवगन के साथ रनवे 34 गेम को मेटावर्स में लॉन्च करने के लिए एक साथ आता है। 29 अप्रैल को रिलीज होने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म के इर्द-गिर्द थीम पर आधारित, गेम को प्रतिष्ठित अभिनेता और हंगामा और हेफ्टीवर्स के संस्थापक नीरज रॉय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में लॉन्च किया गया था।

यह घोषणा अजय देवगन और हेफ्टीवर्स के बीच दूसरी है जो अभिनेता को पहले कभी न देखे गए मेटावर्स अवतार में प्रस्तुत करती है। इस मार्च की शुरुआत में, सुपरस्टार ने अपनी ओटीटी सीरीज 'रुद्र - द एज ऑफ डार्कनेस' से प्रेरित अपने चरित्र के रूप में इस ब्रह्मांड में कदम रखा, जो उपयोगकर्ताओं को एक आकर्षक मनोरंजक अनुभव प्रदान करता है।

HeftyVerse.xyz पर उपलब्ध, यह गेम उपयोगकर्ताओं को शुरू से अंत तक एक रोमांचक और रोमांचक अनुभव प्रदान करेगा। सिनेप्रेमी और गेमर्स को एक साथ लाकर, उपयोगकर्ता, अजय के सह-पायलट के रूप में, एक सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग करने का प्रयास करेंगे। समय समाप्त होने के साथ, कप्तान विक्रांत खन्ना का अजय देवगन का चरित्र खिलाड़ी को सभी निर्देश देगा। कठिन चुनौतियों और स्तरों से भरा हुआ है जो आसान से बहुत दूर हैं, रनवे गेम में उपयोगकर्ताओं को वह तत्काल एड्रेनालाईन रश मिलेगा जो फिल्म अपने साथ लाती है। खेल के साथ-साथ, फिल्म में अजय देवगन, अमिताभ बच्चन, और रकुल प्रीत सिंह के पात्रों की डिजिटल संग्रहणीय वस्तुएं एनएफटी के रूप में उपलब्ध होंगी जो आने वाले समय में ऐसे कई और दिलचस्प जुड़ावों का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

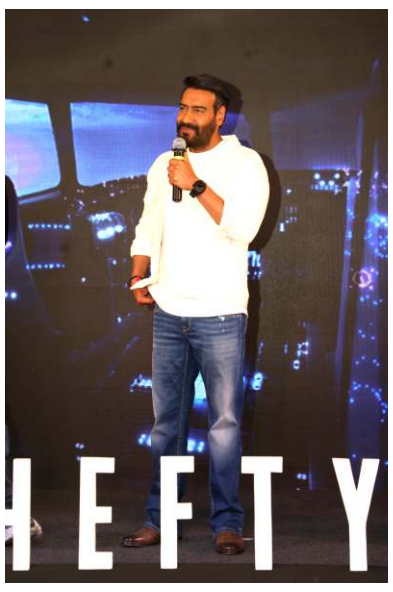

HeftyVerse इस साझेदारी के माध्यम से अजय देवगन Ffilms एजेंसी पार्टनर TheSmallBigIdea के साथ दीर्घकालिक सहयोग करने के लिए खुश है। एसोसिएशन के बारे में बात करते हुए, हंगामा और हेफ्टीवर्स के संस्थापक नीरज रॉय ने कहा, "मेटावर्स इंटरनेट का नया फ्रंटियर है और दर्शकों और प्रशंसकों के साथ जुड़ने का एक अभिनव माध्यम है। यह भारतीय फिल्म उद्योग के लिए एक बड़ा वरदान है और यह निश्चित है कि हमने सिनेमा का अनुभव करने के तरीके को बदल दिया है। अजय देवगन उद्योग में सबसे अधिक बैंक योग्य अभिनेताओं में से एक हैं, जिनकी फिल्मों का दुनिया भर में उनके प्रशंसकों द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जाता है। हम प्रशंसकों को एनएफटी गेम का आनंद लेने, आकर्षक बनाने, खेलने के साथ-साथ उपलब्ध कई डिजिटल संग्रहणीय वस्तुओं की खरीद के लिए तत्पर हैं।" घोषणा के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, अभिनेता अजय देवगन ने टिप्पणी की, "मेटावर्स पर वापस आना बहुत अच्छा है, वह भी हंगामा के साथ। समय के अनुकूल होना और उन माध्यमों पर उपस्थित होना महत्वपूर्ण है जिनकी लोकप्रियता हर गुजरते दिन के साथ बढ़ती जा रही है। रनवे 34 के इतने मनोरंजक और नॉन-स्टॉप सस्पेंस से भरे होने के कारण, मैं उनमें से हर एक के समान उत्साह साझा करता हूं जो खेल खेलने के लिए है। एक ऐसे एसोसिएशन का हिस्सा होने के नाते जो दुनिया भर के दर्शकों के लिए इमर्सिव और वास्तविक जीवन के अनुभव बनाना जारी रखता है, मैं मेटावर्स में अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए उत्सुक हूं। जब आप HeftyVerse पर रोमांचक कम रनवे 34 खेलते हैं तो अपने गेमिंग अनुभव को आसमान छूते हैं

लगभग

HeftyVerse.:

हंगामा का एक डिवीजन, हेफ्टी एंटरटेनमेंट एक पारिस्थितिकी तंत्र है जो वेब 3.0 पर समुदायों पर सहयोग, बातचीत और जुड़ाव को सक्षम करने की आधारशिला पर बनाया गया है। यह सभी मनोरंजन श्रेणी आधारित एनएफटी के साथ मेटावर्स में प्रवेश करता है।

हेफ्टी मेटावर्स पॉलीगॉन ब्लॉकचेन द्वारा समर्थित है, जो एथेरियम स्केलिंग और बुनियादी ढांचे के विकास का भी समर्थन करता है। eDAO भारी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का समर्थन करता है। हंगामा जैसे नेताओं के कारण एनएफटी वर्तमान है और भविष्य रहेगा। कलाकार, जो मानते हैं कि यह आगे का रास्ता है, अब एक वैकल्पिक मुद्रीकरण एवेन्यू है।

और सौभाग्य से उनके लिए, उनके प्रशंसक एक टुकड़ा पाने के लिए अपनी जेब में गोता लगाने को तैयार हैं। जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र बढ़ता है, नई रणनीतियाँ सामने आएंगी, और क्रिप्टो और एनएफटी में नवाचार मनोरंजन उद्योग के भविष्य को आकार देना जारी रखेंगे। निश्चिंत रहें, हंगामा इसमें सबसे आगे रहेगा!!!

आईएडब्ल्यूए ने दुनिया की 50 और सशक्त महिलाओं को एसडीपी आइकॉनिक इंटरनेशनल वुमन अवार्ड से किया सम्मानित

एसडीपी आइकॉनिक इंटरनेशनल वुमन अवोर्ड २०२२ सीज़न ३ का आयोजन १६ अप्रैल २०२२ को मुक्ति सांस्कृतिक सभागार में (आईएडब्ल्यूए) इनोवेटिव आर्टिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन विद अमर सिने प्रोडक्शन द्वारा किया गया था जहाँ १० अप्रैल को ज़ूम पर एक वर्चुअल इवेंट आयोजित किया गया था। आईएडब्ल्यूए की अध्यक्ष दलजीत कौर दुनिया भर में महिलाओं को उनके प्रयासों के लिए पहचानने के लिए इस आयोजन के पीछे उनकी महेनत और दिमाग है।

दलजीत कौर पिछले ८ वर्षों से इस एनजीओ को चलाने वाली एक अभिनेत्री हैं जो दुनिया भर में जागरूकता पैदा करने वाले विभिन्न सामाजिक कारणों के लिए काम कर रही हैं, पूर्व मिसेज इंडिया, मिसेज यूनिवर्स पॉपुलर

और एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं। अमरसीन प्रोडक्शन के अमर बेदी एक रचनात्मक युवा निर्माता हैं, जिन्होंने क्यूरेट किया और पूरे कार्यक्रम को प्रायोजित किया।

इस समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध अंजना मुमताज सरस्वती बाई दादा साहेब फाल्के के पोते चंद्रशेखर पुसालकर, अरविंदर सिंह सिंगर, बीएन तिवारी जी, इन्टरनेशनल डायमंड डे के स्थापक हार्दिक हुंडिया प्रख्यात व्यक्तित्व जया भट्टाचार्य, डोली सोही अमिता नांगिया, टीवी से शोमू मित्रा थे। फिल्म उद्योग की संस्था आईएडब्ल्यूए की अध्यक्ष डॉ दलजीत कौर द्वारा २०२२ की एसडीपी प्रतिष्ठित महिलाओं के रूप में सम्मानित किया गया, साथ ही इस भव्य कार्यक्रम में उपस्थित अन्य अतिथि अनूप जलोटा जी ने प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को ऑनलाइन प्रेरित किया और उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

३००० प्रविष्टियों के साथ ५० से अधिक देशों से नामांकन प्राप्त हुए। आईएडब्ल्यूए समाज में अपनी पहचान बनाने वाले शीर्ष ५० प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को बाहर लाना चाहता था। यह उनके सभी प्रयासों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मान में है, जहां एक महिला अपनी विरासत को प्रकट करती है और दूसरों के लिए एक प्रेरणा और रोल मॉडल है। विशेष रूप से, प्रतिष्ठित महिलाएं सही क्षणों की प्रतीक्षा नहीं करती हैं। हालाँकि, वे जीवन में सभी जोखिम उठाते हुए, स्वयं के मालिक बनकर शुरुआत करते हैं। हर महिला के अंदर वह आत्मा छिपी होती है। इसके लिए प्रेरणा और दृढ़ निर्णय की आवश्यकता होती है ताकि वे अपनी गलतियों से सीख सकें और समाज में अपनी पहचान बना सकें और अपने लिए जगह बना सकें।

4 मई को अपने जन्मदिन के दिन डॉ कृष्णा चौहान करने जा रहे है लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड - 2022

मुम्बई। भारतीय फिल्मों के पितामह कहे जाने वाले दादासाहेब फाल्के भारतीय सिनेमा के जनक थे। उस महान हस्ती को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनकी स्मृति में डॉ कृष्णा चौहान 'लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड का भव्य आयोजन पिछले 2 वर्षों से करते आ रहे हैं।

अब तीसरे वर्ष कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवार्ड - 2022 का आयोजन 4 मई 2022, को शाम को 6 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा। 4 मई बड़ा ही विशेष दिन है, इसी दिन डॉ. कृष्णा चौहान का जन्मदिन भी है।डॉ. कृष्णा चौहान (संस्थापक, कृष्णा चौहान फाउंडेशन) का कहना है कि हम तीन साल से लगातार अवार्ड फंक्शन का आयोजन कर रहे हैं। इस बार यह पुरस्कार समारोह पहले से बड़ा और बेहतर होगा। भारतीय फिल्मों और उसकी तरक्की में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इस बार भी काफी सारी हस्तियां इस समारोह में शामिल होंगी।आपको बता दें कि हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ कृष्णा चौहान द्वारा 'मिस एंड मिसेज इंडिया व नारी शक्ति सम्मान 2022' का आयोजन हुआ था।मिस एंड मिसेज इंडिया मुकाबले में कई महिलाओं ने भाग लिया। कई राउंड में यह ब्यूटी कांटेस्ट हुआ जहां सभी प्रतियोगी ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान न केवल एक कामयाब फ़िल्म निर्देशक एवं समाज सेवक हैं बल्कि अवार्ड्स फंक्शन करने के मामले में सबसे अधिक सुर्खियों में रहने वाले पर्सनाल्टी माने जाते हैं।

उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने अगले पुरस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं। उन्होंने नए साल 2022 में मुम्बई के मेयर हॉल में 'बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2022' का सफल आयोजन किया। और फिर इन्होंने नारी शक्ति सम्मान 2022 का सफल आयोजन करके यह सिद्ध कर दिया है कि वह अवार्ड्स के शंहशाह हैं। इस अवसर पर बॉलीवुड की सेलिब्रिटीज़ तथा सोशल वर्क के लिए कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। कृष्णा चौहान फाउंडेशन (केसीएफ) के अंतर्गत कृष्णा चौहान कई अवार्ड्स शो का आयोजन करते आये हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवॉर्ड, बॉलीवुड आइकोनिक एवॉर्ड, लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड और महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन पिछले कई वर्षों से किया जाता रहा है। 4 मई 2022 को अपने जन्मदिन के अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का भव्य आयोजन करने वाले हैं।

मुरैना: इनामी डकैत गुड्डा गुर्जर गैंग के 4 डाकुओं को उम्र कैद, 5 साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाई सजा

चंबल अंचल के कुख्यात इनामी डकैत गुड्डा गुर्जर की गैंग के चार डाकुओं को जिला एवं सत्र न्यायालय मुरैना ने उम्र कैद की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने 5 साल पुराने हत्या के मामले में गुरुवार को यह सजा सुनाई। हत्या के मामले में डकैत गुड्डा गुर्जर भी शामिल हैं, लेकिन वह अब तक फरार चल रहा है। न्यायालय के अपर लोक अभियोजक रामवीर सिंह राजपूत ने बताया कि जिन चार अभियुक्तों को सजा सुनाई गई है उनमें तीन सगे भाई हैं।

किस मामले में सुनाई गई है सजा

कोर्ट ने चारों दोषियों को 4 अक्टूबर 2017 की घटना के लिए उम्र कैद की सजा सुनाई है। दरअसल बानमोर के पहाड़ी गांव के जखौदा गांव निवासी जितेन्द्र सिंह गुर्जर अपने भाई बंटी गुर्जर के साथ खिरकाई में गाय-भैंसे चराने गया था। उसी वक्त गुड्डा गुर्जर व उसके साथियों केशव सिंह गुर्जर निवासी जड़ेरुआ गांव, विजय सिंह व भारत सिंह तीनों सगे भाई व बल्ली गुर्जर निवासी पहाड़ी गांव ने जितेन्द्र व बंटी को जंगल में घेर लिया तथा उनकी मारपीट की थी। जब वे दोनों अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे तो उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस मामले में चारों आरोपियों को जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा से दण्डित किया है।

इस मामले में गुड्डा गुर्जर फरार चल रहा है।

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में फायरिंग, पुलिसकर्मी ने चलाई गोली

दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में फायरिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस कर्मी ने गोली चलाई है। हालांकि, इसमें कोई घायल नहीं हुआ है। गोली कैसे चली है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पुलिया से टकराकर कार में लगी आग, एक ही परिवार के 5 लोग जिंदा जले

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में गुरुवार देर रात हुए एक सड़क हादसे में व्यापारी का परिवार जिंदा जल गया। हादसा तेज रफ्तार कार के पुलिया से टकराने के चलते हुआ। इसके बाद कार में आग लग गई। हादसे में पति-पत्नी सहित उनकी 3 बेटियों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। सूचना मिलने पर देर रात ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

जम्मू में सुंजवां आर्मी कैंप के पास आतंकियों से सुरक्षाबलों की मुठभेड़, एक जवान शहीद, 5 घायल

जम्मू-कश्मीर के सुंजवां आर्मी कैंप के पास शुक्रवार सुबह 4 बजे से सुरक्षाबलों और आंतकियों के बीच एनकाउंटर जारी है। एनकाउंटर में एक जवान शहीद हो गया है, जबकि 5 जवान घायल हो गए हैं। जम्मू-कश्मीर के ADG मुकेश सिंह ने बताया कि यहां कुछ आतंकियों के घरों में छिपे होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी भी जारी है।

कांग्रेस के संगठनात्मक चुनावों की तारीखों में बदलाव नहीं होगा

कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। पार्टी नेताओं की बैठक में गुरुवार को यह फैसला लिया गया। देश भर में 31 मई 2022 तक ब्लॉक अध्यक्षों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी मेंबर्स का चुनाव कराया जाएगा। इसके बाद, 1 जून से लेकर 20 जुलाई 2022 तक जिलाध्यक्षों, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और जिला कार्यकारिणी के चुनाव होंगे।

बोरिस जॉनसन यूक्रेन विवाद पर भारत के रुख को सुनेंगे, दिल्ली में व्याख्यान नहीं

ब्रिटेन के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन की पीएम नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत में हिंद-प्रशांत के उदय में भारत की केंद्रीयता पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, 2021 में ब्रिटेन की रक्षा, सुरक्षा और विदेश नीति की एकीकृत समीक्षा में भारत से जुड़ी प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए। ब्रिटेन के प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन की गुरुवार से शुरू होने वाली दो दिवसीय यात्रा के दौरान यूक्रेन संकट सामने आएगा, हालांकि भारत-प्रशांत को जबरदस्ती से मुक्त रखने और द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। जॉनसन गुजरात में अपनी यात्रा शुरू करेंगे, जहां उनका गुजरात जैव प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और एक कारखाने का दौरा करने और शीर्ष व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करने और फिर नई दिल्ली की यात्रा करने का कार्यक्रम है, जहां वह शुक्रवार को अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत करेंगे। जबकि यूक्रेन पर रूसी आक्रमण और विश्व व्यवस्था पर इसके नतीजे भारतीय वार्ताकारों के साथ जॉनसन की बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार हैं, इस मामले से परिचित लोगों ने कहा कि ब्रिटिश प्रधान मंत्री वही लाइन लेगी जो विदेश सचिव लिज़ ट्रस ने पिछले महीने अपनी यात्रा के दौरान ली थी। - कि यूके अन्य देशों को व्याख्यान देने या यह बताने के व्यवसाय में नहीं है कि क्या करना है। लोगों ने कहा कि जॉनसन से यूक्रेन पर ब्रिटिश स्थिति निर्धारित करने और भारतीय पक्ष को सुनने की उम्मीद है ताकि एक-दूसरे की स्थिति की बेहतर समझ हो। "यूक्रेन संकट के दीर्घकालिक परिणामों पर चर्चा होगी। अपने हिस्से के लिए, यूके यूक्रेन की स्वतंत्रता का समर्थन करता है, "लोगों में से एक ने कहा, रूस के व्यवहार को जोड़ने से संकट में भविष्य की कार्रवाई तय होगी।

यूक्रेन को सैन्य सहायता और सहायता प्रदान करने में ब्रिटेन सबसे आगे रहा है और जॉनसन ने हाल ही में राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मिलने के लिए कीव का दौरा किया था। भारत ने रूस के कार्यों की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना बंद कर दिया है, हालांकि उसने बुका में नागरिक हत्याओं की निंदा की है और बार-बार शत्रुता को समाप्त करने और बातचीत की वापसी का आह्वान किया है।

लोगों ने कहा कि 2021 में ब्रिटेन की रक्षा, सुरक्षा और विदेश नीति की एकीकृत समीक्षा में भारत से जुड़ी प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए जॉनसन की बातचीत हिंद-प्रशांत के

उदय में भारत की केंद्रीयता पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। "इंडो-पैसिफिक दोनों पक्षों के लिए तेजी से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसे जबरदस्ती से मुक्त रखने और सभी के लिए स्वतंत्र अवसरों की जगह की आवश्यकता है। लोकतंत्र को और अधिक लचीला बनने की भी आवश्यकता है, "उपरोक्त व्यक्ति ने कहा। भारत-यूके रोडमैप 2030 के पांच स्तंभों में से एक रक्षा और सुरक्षा के साथ, ब्रिटिश कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की हिंद महासागर की यात्रा और संयुक्त अभ्यास द्वारा बनाई गई गति पर भी चर्चा होगी। इन चर्चाओं में इस बात पर भी ध्यान दिया जाएगा कि रक्षा निर्माण को स्वदेशी बनाने के लिए भारत के अभियान में यूके की भूमिका क्या हो सकती है। लोगों ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच बातचीत से भारतीय खरीद और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित रक्षा सहयोग को और आकार देने में मदद मिलेगी।

जॉनसन की यात्रा को एक "बड़ी बात" बताते हुए, लोगों ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच वार्ता 25 अप्रैल से भारत द्वारा आयोजित होने वाले मुक्त व्यापार समझौते पर तीसरे दौर की वार्ता के लिए "मंचन बिंदु" के रूप में भी काम करेगी। जबकि दोनों पक्ष कुछ मुद्दों को दूर करने और सेब, चिकित्सा उपकरणों और झींगा जैसी वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच पर प्रगति करने में सक्षम हैं, अगले दौर की वार्ता कुछ बड़े मुद्दों पर केंद्रित होगी, जिसमें सेवाओं में व्यापार, निवेश और बाजार पहुंच शामिल है। अधिक संवेदनशील वस्तुओं के लिए। यूरोपीय संघ (ईयू) से बाहर निकलने के बाद, यूके भारत के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते को शीघ्रता से समाप्त करने का इच्छुक है। एक अधिकारी ने कहा कि ब्रिटेन दो चरणों के सौदे को चुनने के बजाय समय बचाने के लिए एक पूर्ण एफटीए पर हस्ताक्षर करने में रुचि रखता है - पहला, एक अंतरिम या प्रारंभिक फसल समझौता, उसके बाद एक व्यापक समझौता। उन्होंने कहा, हालांकि, भारत जटिल मुद्दों पर बातचीत करने से पहले जल्दी फसल के सौदे को अंतिम रूप देना चाहता है, जिसमें समय लगेगा। "यह एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है जो जल्दी से दोनों भागीदारों के लिए ठोस परिणाम दिखाएगा जबकि अन्य जटिल मुद्दों पर बाद में बातचीत की जाएगी," उन्होंने कहा। औपचारिक एफटीए वार्ता 13 जनवरी को शुरू हुई, जब दोनों पक्षों ने 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार को दोगुना करके 100 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा। कुल दो-तरफा व्यापार वर्तमान में $ 50 बिलियन का है, जिसमें सेवाओं में $ 35 बिलियन और माल में $ 15 बिलियन शामिल हैं। . भारत और यूके उन मामलों पर टैरिफ और शर्तों को तेजी से अंतिम रूप देने पर नजर गड़ाए हुए हैं जहां दोनों पक्षों के हित मिलते हैं, लेकिन कुछ संवेदनशील मुद्दे हैं जिन्हें सभी हितधारकों के विचारों को लेने के बाद नियंत्रित किया जा सकता है। इनमें ब्रिटेन और कृषि के लिए वीजा मुद्दा, डेयरी और शराब पर शुल्क, विशेष रूप से स्कॉच, एक दूसरे अधिकारी ने कहा।

पहले अधिकारी ने कहा कि अंतरिम सौदा अपने आप में व्यापक होने की उम्मीद है क्योंकि इसमें 65% सामान और 160 सेवाओं की एक तिहाई से अधिक सेवाएं शामिल हो सकती हैं। ब्रिटिश पक्ष व्यवसाय और व्यापार करने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए उत्सुक है, जिसमें व्हिस्की पर 150% तक और ब्रिटिश निर्मित कारों पर 125% तक शुल्क शामिल हैं।

भारतीय पक्ष पेशेवरों के लिए बढ़ी हुई गतिशीलता और कृषि जैसे क्षेत्रों के लिए उपयुक्त सुरक्षा उपाय चाहता है। कुशल श्रमिकों के लिए ब्रिटिश वीजा के लिए भारत नंबर एक स्थान रखता है, जो कुल संख्या का 40% है। यद्यपि विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे आर्थिक भगोड़ों का मुद्दा यात्रा के दौरान सामने आ सकता है, ऊपर उद्धृत लोगों ने कहा कि इन मामलों में कार्यकारी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि यह ब्रिटिश न्यायपालिका के लिए कुछ निरंतर कानूनी प्रक्रियाओं को संभालना था। ब्रिटिश पक्ष ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक तत्वों के मुद्दे के लिए भी तैयार है, खासकर जब से वह उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है जो कानून के गलत पक्ष पर पड़ता है।

मुंबई की हार के दोषी रोहित शर्मा:बिना खाता खोले आउट हुए, धोनी के सामने उनादकट को आखिरी ओवर देना पड़ा भारी

मुंबई इंडियंस IPL इतिहास में शुरुआती सात मैच लगातार हारने वाली पहली टीम बन गई है। चेन्नई सुपरकिंग्स ने आखिरी गेंद तक चले रोमांचक मुकाबले में मुंबई को तीन विकेट से हरा दिया। मुंबई के इस कमजोर प्रदर्शन के पीछे अगर एक जिम्मेदार की तलाश की जाए तो कप्तान रोहित शर्मा का नंबर सबसे पहले आएगा। चलिए जान लेते हैं कि क्यों रोहित इस हार के मुजरिम हैं।

सीजन में लगातार छठवीं बार फेल हुए रोहित

रोहित शर्मा के लिए यह IPL किसी बुरे सपने जैसा बीत रहा है। बतौर बल्लेबाज वे लगातार छठवीं बार फेल हुए और दो गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इस सीजन के पहले मैच में रोहित ने 41 रन बनाए थे। इसके बाद से वे एक बार भी 30 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। तीन बार वे डबल फिगर में भी नहीं पहुंच पाए।

कप्तानी भी कमजोर साबित हुई

रोहित शर्मा की कप्तानी भी चेन्नई के खिलाफ काफी कमजोर साबित हुई। IPL में यह जगजाहिर है कि महेंद्र सिंह धोनी को जयदेव उनादकट की गेंदों की धुनाई करने में मजा आता है। 2019 IPL में भी धोनी ने उनादकट की गेंदों की धज्जियां उड़ाई थी। इसके बावजूद रोहित ने आखिरी ओवर में धोनी के सामने उनादकट को मोर्चे पर लगाया और परिणाम वही रहा जिसकी आशंका थी। धोनी ने फिर उनादकट की धज्जियां उड़ाकर रख दीं।

तिलक वर्मा को छोड़ ज्यादातर बल्लेबाज फेल

बल्लेबाजी यूनिट का सामूहिक रूप से फेल होना भी मुंबई की हार की बड़ी वजह साबित हुई। तिलक वर्मा (51) ने अकेले किला लड़ाने की कोशिश की, लेकिन उनके अलावा और कोई भी बल्लेबाज 32 रन से आगे नहीं बढ़ पाया। रोहित के अलावा ईशान किशन भी इस मैच में खाता नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस 4 और कीरोन पोलार्ड 14 रन ही बना सके।

CSK से जुड़ेंगे जूनियर मलिंगा:मिल्ने के रिप्लेसमेंट के तौर पर चेन्नई में शामिल होंगे मथीशा पथिराना, U-19 वर्ल्ड कप में मचाया था धमाल

चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल तेज गेंदबाज एडम मिल्ने की जगह श्रीलंका के 19 साल के मीडियम तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को शामिल किया है। न्यूजीलैंड के मिल्ने को चेन्नई सुपर किंग्स ने IPL के मेगा ऑक्शन में 1.90 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं मथीशा पथिराना को 20 लाख रुपये की कीमत में ही टीम में शामिल किया गया है। वे IPL रिप्लेसमेंट खिलाड़ियों की सूची में छठे खिलाड़ी भी बने हैं।

जूनियर मलिंग के नाम से फेमस है मथीशा

मथीशा पथिराना को जूनियर मलिंगा के नाम से जाना जाता है। पथिराना का बॉलिंग एक्शन एकदम लसिथ मलिंगा के जैसा है। इस गेंदबाज का एक्शन भी स्लिंग है और मलिंगा की तरह ही गेंद उनके हाथ से छूटती है। इस वहज से उन्हें जूनियर मलिंगा और लिटिल मलिंगा भी कहते हैं।

इस साल अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी श्रीलंका की ओर के खेलते हुए उन्होंने क्रिकेट के जानकारों को खासा प्रभावित किया था। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 2-2 विकेट भी लिए थे।

मिल्ने पहले मैच में हो गए थे चोटिल

एडम मिल्ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इस सीजन के खेले गए पहले मैच में चोटिल हो गए थे। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। जिसकी वजह से वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर गए थे।

दीपक चाहर का नहीं लिया है रिप्लेसमेंट

CSK ने अभी तक दीपक चाहर के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। दीपक चाहर को चेन्नई ने 14 करोड़ रुपए की मोटी रकम खर्च कर अपनी टीम में शामिल किया था, मगर चोटिल होने की वजह से वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। CSK के अलावा राजस्थान रॉयल्स ने भी नाथन कुल्टर नाइल के रिप्लेसमेंट का भी ऐलान नहीं किया है।

धोनी जैसा कोई नहीं

आखिरी ओवर में 17 रन की जरूरत थी, एक छक्का और 2 चौका जड़कर जीत दिला दी

IPL 2022 में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी ओवर में रोमांचक जीत दर्ज की। इस जीत के नायक और कोई नहीं बल्कि नंबर-1 फिनिशर महेंद्र सिंह धोनी रहे। CSK के सामने 156 रन का टारगेट था और आखिरी ओवर में टीम को 17 रन की जरूरत थी। क्रीज पर एमएस धोनी और ड्वेन प्रिटोरियस मौजूद थे। मुंबई की ओर से अंतिम ओवर जयदेव उनादकट करने आए। आखिरी ओवर की हर गेंद पर क्या हुआ, पहले ये जान लीजिए...

- 19.1: ओवर की पहली ही गेंद पर उनादकट ने प्रिटोरियस को LBW आउट किया। ये विकेट मुंबई को DRS पर मिला। अब ड्वेन ब्रावो बैटिंग के लिए आए।
- 19.2: दूसरी गेंद पर ब्रावो ने डीप स्क्वायर लेग की ओर फ्लिक किया और सिंगल निकाला।
- 19.3: अब धोनी स्ट्राइक पर थे... तीसरी गेंद पर उन्होंने साइट स्क्रीन की ओर कमाल का सिक्स लगाकर मुकाबले में जान फूंक दी।
- 19.4: चौथी गेंद पर एमएस ने शॉर्ट फाइन लेग पर चौका लगाया।
- 19.5: 5वीं गेंद उनादकट ने मिडिल स्टंप पर यॉर्कर डाली, जिस पर माही ने डीप स्क्वायर लेग की ओर फ्लिक किया तेजी से दौड़कर 2 रन चुराए। अब चेन्नई को 1 गेंद पर 4 रन चाहिए थे।
- 19.6: आखिरी गेंद पर धोनी ने डीप स्क्वायर लेग पर चौका लगाकर CSK को यादगार जीत दिलाई।

2019 में भी उनादकट को लगाए थे हैट्रिक सिक्स

2019 के IPL में भी धोनी उनादकट की खूब पिटाई की थी। उस समय धोनी ने जयदेव के एक ओवर में लगातार 3 छक्के जड़े थे। उनादकट उस समय राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे और धोनी CSK के कप्तान थे। मैच में माही ने 4 चौके और 4 छक्कों की मदद से 46 गेंदों पर नाबाद 75 रन की पारी खेली थी।

जयदेव उनादकट के खिलाफ एमएस धोनी ने अबतक IPL की 8 पारियों में 244.18 के स्ट्राइक रेट से 105 रन बनाए हैं और केवल एक बार विकेट गंवाया है।

इस सीजन अच्छी लय में हैं माही

इस सीजन के पहले ही मैच में धोनी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 38 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए थे।

IPL 2022 की 6 पारियों में उन्होंने 60 की औसत से 120 रन बनाए हैं। इस दौरान वह 4 बार नॉट-आउट भी रहे।

हरकतों से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान:

करतारपुर कॉरिडोर के जरिए जासूसी की साजिश, श्रद्धालुओं के बीच मौजूद ISI अफसर

भारत और पाकिस्तान के बीच खोले गए करतारपुर कॉरिडोर से लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिली। लेकिन, इस पवित्र कार्य में भी पाकिस्तान के नापाक इरादे सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI करतारपुर कॉरिडोर का इस्तेमाल तीर्थ यात्रा पर जाने वाले भारतीयों से मिलने और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए कर रही है। ये गतिविधियां भारत-पाकिस्तान के बीच 2019 में साइन किए गए करतारपुर साहिब कॉरिडोर समझौते के खिलाफ हैं।

कॉरिडोर के जरिये हो रही है जासूसी

रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है कि पाकिस्तान ने करतारपुर कॉरिडोर में जासूस तैनात किए हैं। ये खुफिया अधिकारी करतारपुर कॉरिडोर के रास्ते करतारपुर साहिब जाने वाले भारतीय नागरिकों से आम लोगों की तरह बातचीत करके कुछ खुफिया जानकारी जुटाने की कोशिश करते हैं।

बिजनेस बैठकें भी हो रहीं

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में गुरुद्वारा के परिसर में बिजनेस से जुड़ी बैठक हुई। इस पर भारत ने आपत्ति जताई है। हालांकि अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन भारत नजर बनाए हुए है। इस गलियारे का मकसद केवल धार्मिक यात्रा है। लेकिन, पाकिस्तान इसका इस्तेमाल अलग-अलग कामों के लिए कर रहा है।

2019 में खुला था करतारपुर कॉरिडोर

1999 में पहली बार भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा था। 2018 में गुरुदासपुर के डेरा साहब नानक से LOC तक करीब 4 किलोमीटर लंबे करतारपुर साहिब कॉरिडोर का शिलान्यास हुआ। 9 नवंबर 2019 को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया था। गुरु नानक देव जी ने करतारपुर साहिब में ही सिख धर्म की स्थापना की थी। यहीं पर नानक देव जी ने समाधि ली थी। इसलिए इस स्थल का सिखों के लिए बहुत ज्यादा महत्व है।

कोरोना के चलते कॉरिडोर हुआ था बंद

साल 2020 में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए करतारपुर कॉरिडोर को बंद कर दिया गया था। 20 महीने तक बंद रहने के बाद, नवंबर 2021 में कॉरिडोर को फिर से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था।

अमेरिकी सांसद के POK दौरे पर ऐतराज:भारत ने कहा- इल्हान उमर ने देश की संप्रभुता का उल्लंघन किया; ये छोटी मानसिकता वाली राजनीति

भारत ने अमेरिकी सासंद इल्हान उमर की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POK) दौरे की निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि इस इलाके में दौरा कर उन्होंने देश की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। यह उमर की संकीर्ण मानसिकता वाली राजनीति को दर्शाता है।

दरअसल, डेमोक्रेट सांसद इल्हान उमर 20 अप्रैल से 4 दिन के पाकिस्तान दौरे पर हैं। इस दौरान उमर पाकिस्तान के PM शहबाज शरीफ और पूर्व PM इमरान खान से भी मुलाकात कर चुकी हैं। वे इमरान खान के PM पद से हटने के बाद पाकिस्तान का दौरा करने वाली पहली अमेरिकी सांसद हैं।

बागची ने कहा- हमने देखा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि इल्हान उमर ने जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से का दौरा किया है, जिस पर फिलहाल पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। अगर ऐसी राजनेता अपने देश में संकीर्ण मानसिकता की राजनीति करें तो ठीक है, लेकिन उन्हें हमारी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन करने का कोई हक नहीं। यह दौरा निंदनीय है।

कश्मीर मसले पर शहबाज शरीफ से भी चर्चा की उमर ने कश्मीर मसले पर PM शहबाज से भी चर्चा की। न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, शहबाज ने कहा कि उन्होंने भारत विरोधी रुख के लिए जानी जाने वाली 39 साल की सांसद के साथ कश्मीर का मुद्दा उठाया और जम्मू-कश्मीर के शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया। उमर के दौरे को अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को फिर से शुरू करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दें कि पूर्व PM इमरान खान विपक्ष पर अमेरिका के साथ मिलकर साजिश करने का आरोप लगा चुके है।

अमेरिकी मुस्लिम सांसद इल्हान उमर ने हाल ही में PM नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार को मुस्लिम अल्पसंख्यक विरोधी बताया था। इल्हान ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन पर भी निशाना साधते हुए कहा है कि आखिर वह भारत की सरकार का समर्थन क्यों कर रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भी उनकी ट्विटर पर खींच-तान चलती रही है।

कौन है इल्हान उमर ?

39 साल की इल्हान उमर सोमालियाई-अमेरिकी राजनेता हैं जो साल 2019 से मिनिसोटा से चुनाव जीतकर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में आई थी। वह अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस में पहुंचने वाली पहली दो मुस्लिम महिला सांसदों में से एक हैं। अमेरिकी संसद में पहुंचने वाली वह पहली सोमालियाई-अमेरिकी नागरिक भी हैं। मूल रूप से वह अफ्रीका की नागरिक भी रही हैं।

सूखने की कगार पर अमेरिका की कोलोराडो नदी:जलस्तर 60 साल के निचले लेवल पर पहुंचा, दूसरी सबसे बड़ी पॉवेल लेक के भी यही हालात

अमेरिका में सूखे की वजह कोलोराडो नदी खतरे में आ गई है। पिछले 22 साल में कोलोराडो नदी का जल स्तर का 20% कम हुआ है। इस वजह से यहां कि दूसरी सबसे बड़ी पॉवेल लेक भी सूखने की कगार पर पहुंच गई है। लगातार सूखा पड़ने की वजह से 60 साल में पहली बार ऐसे हालात बने हैं। बीते 9 महीने में ही लेक अपने तट को पीछे छोड़ चुकी है। यह अमेरिका की मानव निर्मित दूसरी सबसे बड़ी लेक है। इस लेक में कोलोराडो नदी का प्रमुख वॉटर स्टोर होता है। हर साल इस लेक पर करीब 20 लाख सैलानी छुट्टियां मनाने पहुंचते थे। घटते जलस्तर की वजह से 22 लाख हेक्टेयर खेतीहर जमीन पर सिंचाई संकट आ गया है। वहीं, 4200 मेगावॉट का बिजली प्रोडक्शन भी प्रभावित हुआ है। 4 करोड़ लोगों पर जलसंकट उटा और एरिजोना राज्यों के बीच पड़ने वाले इस लेक का निर्माण ग्लेन कैनयन डैम में बाढ़ आने के बाद हुआ था। इसके लगातार घटते जल स्तर का सीधा असर 4 करोड़ लोगों पर पड़ा है, जो अपनी जरूरतों के लिए इसके पानी पर निर्भर हैं। बता दें कि लेक पॉवेल का कंस्ट्रक्शन 1963 में शुरू हुआ था। उसके बाद इसे भरना शुरू किया गया था। इसे पूरा भरने में 17 साल लगे थे। आखरी बार सबसे कम जल स्तर 2004 में देखा गया था। तब भी लेक में स्टोरेज कैपिसिटी का 36% पानी था। इस बार तो 25% भी पानी नहीं बचा।

पवेल लेक पर पानी की कमी से नावें रैंप पर ही खड़ी रह रही हैं।

पवेल लेक पर पानी की कमी से नावें रैंप पर ही खड़ी रह रही हैं।

कलोराडो नदी में पानी का बहाव कम हो जाने से इसके डैम ग्लेन कैनयन में पानी निचले स्तर पर आ गया है।

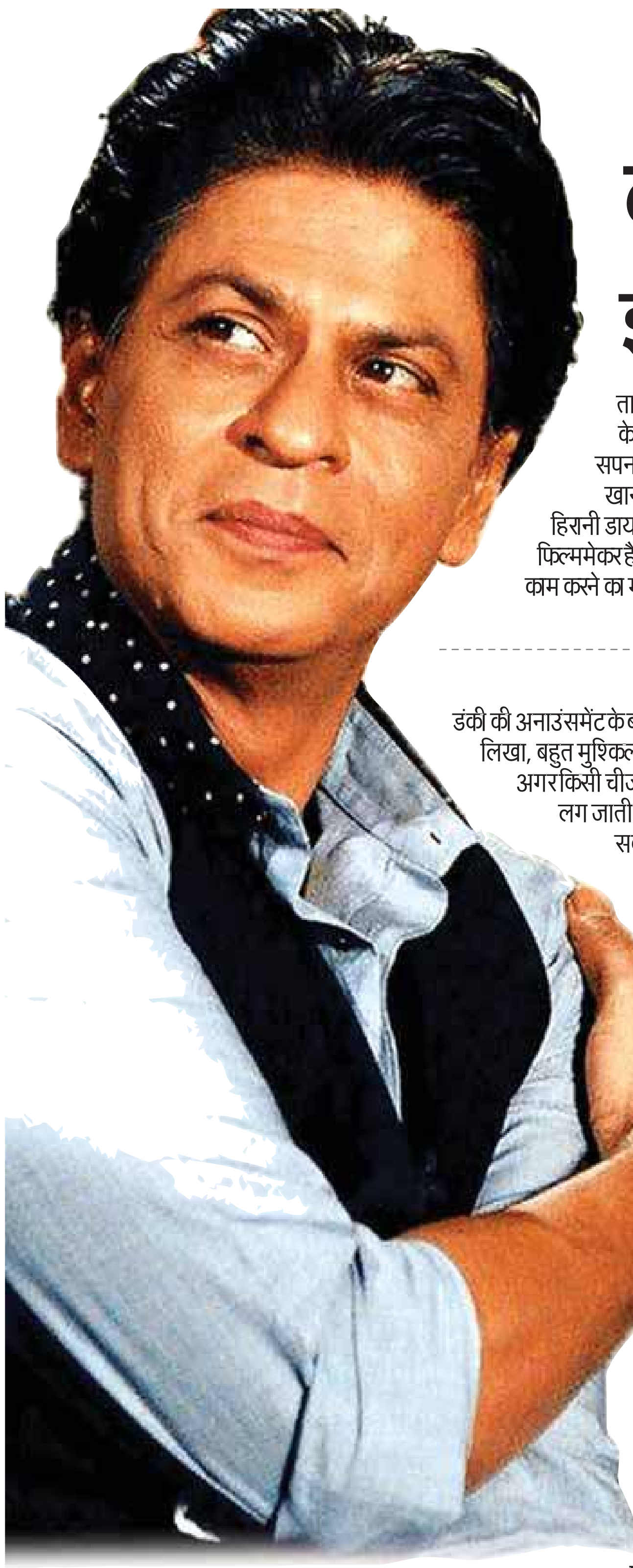

शाहरुख खान के साथ काम करने पर खुशी से झूम रही हैं तापसी पन्नू

तापसी पन्नू का एक बड़ा सपना पूरा होने वाला है और वो सपना है शाहरुख खान के साथ काम करना। शाहरुख खान के साथ काम करने का बहुत लोगों का सपना होता है और तापसी का ये सपना पूरा हो गया है क्योंकि अब वह किंग खान के साथ फिल्म डंकी में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म राजकुमार हिरानी डायरेक्ट करने वाले हैं। राजकुमार हिरानी भी बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर हैं और इस फिल्म के जरिए तापसी को 2 बड़े दिग्गजों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। इस वजह से तापसी इस फिल्म को लेकर बहुत ज्यादा एक्साइटेड हैं।

–10 साल बाद पूरा हुआ सपना

डंकी की अनाउंसमेंट के बाद तापसी ने ट्वीट करके अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, बहुत मुश्किल था यहां तक पहुंचना। लेकिन एक सुपरस्टार ने कहा है कि अगर किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो पूरी कायनात तुम्हें उससे मिलाने में लग जाती है। ईमानदारी, कड़ी मेहनत और लगन की वजह से सब हो सकता है। लगभग 10 साल लगे, लेकिन फाइनली ऑल इज वेल। तापसी ने इस ट्वीट के जरिए शाहरुख की फिल्म ओम शांति ओम का डायलॉग और राजकुमार हिरानी की फिल्म 3 इडियट्स का ऑल इस वेल का इस्तेमाल किया है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक सभी तापसी को बधाई दे रहे हैं।

–कब शुरू होगी शूटिंग

फिल्म की बात करें तो अप्रैल के आने वाले दिनों में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब में फिल्म की शूटिंग होगी। फिल्म को अभिजात जोशी, कनिका ढिल्लों और हिरानी ने लिखा है। हिरानी फिल्म को डायरेक्ट करने के साथ–साथ प्रोड्यूस भी करेंगे। शाहरुख की पत्नी भी हिरानी के साथ फिल्म को प्रोड्यूस करेंगी।

रूपाली गांगुली अनुपमा-नमस्ते अमेरिका में सरिता जोशी के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी

अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने अनुपमा– नमस्ते अमेरिका में बा बहू और बेबी फेम सरिता जोशी के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। सरिता शो में मोती बा की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सरिता जोशी के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए रूपाली ने कहा, सरिता जी थिएटर की लेजेंड हैं और उनके साथ पूरे जोश में काम करने का मौका मिलना वास्तव में किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। मैंने पहले भी उनके साथ एक शो में काम किया है। उन्होंने कहा, वह मुझे प्रेरित करती हैं और मैं उनके काम की प्रशंसा करती हूं। मैं अपने दर्शकों को मेरे और सरिता जी के किरदार के बीच अद्भुत केमिस्ट्री दिखाने के लिए रोमांचित हूं। उनका किरदार मोती बा अनुपमा के शुरूआती जीवन को एक महत्वाकांक्षी नर्तकी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमारी जोड़ी को पसंद करेंगे। अनुपमा– नमस्ते अमेरिका में टीवी कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराते नजर आएंगे। अनुपमा के पति वनराज के रूप में सुधांशु पांडे, अल्पना बुच, अरविंद वैद्य, पारस कलनवत, आशीष मेहरोत्रा और एकता सरिया के साथ क्रमश– बा, बापूजी, समर, तोशी और डॉली की भूमिकाओं में दिखेंगे। टीवी सीरीज 25 अप्रैल से डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम करेगी।

शाहरुख को लेकर राजकुमार हिरानी बनाएंगे डंकी

लंबे समय से चर्चा चल रही थी कि शाहरुख खान और राजकुमार हिरानी साथ में फिल्म करने वाले हैं। कई टाइटल सामने आए। कहानियां सामने आई, लेकिन ऑफिशियल अनाउंसमेंट आज हुआ। टाइटल का अनाउंसमेंट एक वीडियो के जरिये हुआ। जिसमें शाहरुख और हिरानी नजर आते हैं। दिखाया गया है कि राजकुमार हिरानी के ऑफिस में शाहरुख जाते हैं और हिरानी की फिल्मों के पोस्टर देखते हैं। इसी बीच हिरानी आ जाते हैं और उनसे शाहरुख पूछते हैं कि मेरे लायक कुछ है क्या? इस पर राजकुमार हिरानी कहते हैं कि एक स्क्रिप्ट तैयार है। फिल्म का नाम डंकी रखा गया है जिस पर शाहरुख आश्चर्य व्यक्त करते हैं। इस फिल्म में तापसी पन्नू भी नजर आएंगी और यह मूवी 22 दिसम्बर 2023 को रिलीज होगी। इस डेवलपमेंट को पूरी तरह से कन्फर्म करते हुए राजकुमार हिरानी कहते हैं, मेरे करियर के दौरान शाहरुख खान हमेशा मेरी विश लिस्ट में रहे हैं और अतीत में मेरे कई बार साथ काम करने की कोशिश करने के बाद, आखिरकार अब हम डंकी हमारी साझेदारी के रूप में सामने आई है। सो ऐसे में वो फिल्म में जो ऊर्जा, करिश्मा, ह्यूमर और चार्म लाते हैं, वह अद्वितीय है और मैं उस जादू को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्सुक हूं। इस पर आगे बात करते हुए शाहरुख खान ने आगे कहा, राजकुमार हिरानी इस पीढ़ी के बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं, हमने हमेशा साथ काम करने की बात की है और मुझे बेहद खुशी है कि हम आखिरकार डंकी के साथ ऐसा कर रहे हैं। हमने इसी महीने फिल्म की शूटिंग शुरू की है और मैं इसके हर पल को संजो रहा हूं। राजू के लिए मैं गधा, बंदर...कुछ भी बन सकता हूं! वहीं तापसी पन्नू ने इस पर कमेंट करते हुए कहा, मैं इस यात्रा को शुरू करने और इस बेहद खास फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैं पहली बार राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान के साथ काम कर रही हूं, दो ऐसे लोग जिनका मैं पूरे दिल से सम्मान और प्रशंसा करती हूं। ऐसे में अब जबकि फिल्म की बाकी डिटेल्स को सीक्रेट ही रखा गया है, फिल्म में शाहरुख खान, राजकुमार हिरानी के इस सोशल कॉमेडी दुनिया में एक ऐसे किरदार में होंगे जिसमें उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया हैं।

सामंथा की पहली सैलरी महज 500 रुपये थी!

चेन्नई। तमिल और तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक सामंथा ने बताया कि उनकी पहली सैलरी सिर्फ 500 रुपये थी, जो उन्हें एक दिन के लिए एक सम्मेलन में होस्टेस के रूप में काम करने के दौरान मिली थी। हाल ही में, सामंथा ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के साथ सवाल–जवाब किए। प्रशंसकों ने अभिनेत्री से अस दौरान कई सवाल किए, जिनके जवाब सामंथा ने दिए। इस बातचीत के दौरान, सामंथा ने बताया कि उनकी पहली सैलरी सिर्फ 500 रुपये थी और यह उन्हें 8 घंटे काम करने के बाद मिली। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें पहली सैलरी स्कूल के दिनों में मिली थी। जब प्रशंसकों ने उनसे खतीजा (उनकी अगली फिल्म काथु वकुला रेंदु काधल में उनके किरदार का नाम) या कनमनी (उसी फिल्म में नयनतारा का किरदार) के बीच चयन करने के लिए कहा, तो सामंथा ने जवाब दिया कि कनमनी और खतीजा। खतीजा के बिना कनमनी नहीं और कनमनी के बिना खतीजा नहीं। जब उनसे काथुवाकुला रेंदु काधल में अपने किरदार के बारे में टिप्पणी करने के लिए कहा गया, तो उन्होंने कहा, मेरी पसंदीदा शैली रोमांटिक कॉमेडी है। मुझे बहुत खुशी है कि मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रही हूं। यह वास्तव में मजेदार है। इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती। आप सभी के लिए पेश है काथु वकुला रेंदु काधल। फिल्म के बारे में उनकी प्रतिक्रियाएं इतनी दिल को छू लेने वाली थीं कि फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस, राउडी पिक्चर्स ने उनकी प्रतिक्रिया क्लिप को अपने ट्विटर टाइमलाइन पर पोस्ट किया और उनके शब्दों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

रानी मुखर्जी ने सुनाया

राजा की आएगी बारात से जुड़ा दर्द भरा किस्सा

एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने फिल्म राजा की आएगी बारात से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में रानी के काम को खूब पसंद किया गया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई थी। इस फिल्म को रिलीज हुए 25 साल से भी ज्यादा का समय हो चुका है। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में फिल्म से जुड़ी यादों को शेयर किया है। रानी ने कहा– इस फिल्म की रिलीज के समय मैं एक घरेलू संकट का सामना कर रही थीं। मेरी सबसे यादगार बात राजा की आएगी बारात के रिलीज वाले दिन की है, जब मेरे पिताजी (दिवंगत फिल्म निर्माता राम मुखर्जी) का बाईपास ऑपरेशन होना था। रानी ने आगे कहा– वह ब्रीच कैंडी में भर्ती थे और ऑपरेशन के लिए जाने के इच्छुक नहीं थे। वह मेरी फिल्म की रिलीज का इंतजार करना चाहते थे। मैंने उस समय उनसे कहा था कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उन्हें सर्जरी करानी चाहिए। वह सर्जरी के लिए गए थे और लगभग एक या दो दिनों के लिए आईसीयू में बेहोश रहे थे। जब वह ठीक हुए और होश में आए तो उन्होंने पहली बात फिल्म की रिलीज के बारे में पूछी। उन्होंने पूछा कि फिल्म कैसी रही। फिल्म में उनके प्रदर्शन को देखकर उनके पिता रो दिए थे।

विमल के विज्ञापन पर बुरी तरह से ट्रोल होने पर बोले अजय

अजय देवगन और शाहरुख खान अब तक विमल इलायची के विज्ञापन में नजर आते थे। अब इस ऐड में अक्षय कुमार भी आ चुके हैं। इसी को लेकर पिछले दिनों सोशल मीडिया पर लोग अक्षय के साथ बाकि एक्टर्स को भी ट्रोल कर रहे थे और काफी खरी–खोटी सुना रहे थे। लोगों का कहना था कि जो एक्टर सिगरेट छोड़ने का विज्ञापन करते हैं वो अब गुटखे के ब्रांड का प्रमोशन कर रहे हैं। सिर्फ यही नहीं सोशल मीडिया पर अक्षय को लेकर कई सारे मीम्स भी बनने लगे थे। जिसमें लोगों ने अजय देवगन और शाहरुख खान को भी नहीं छोड़ा। अब इस पर अजय देवगन ने अपनी बात रखी है और ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। जय देवगन ने आजतक को दिए इंटरव्यू में बात करते हुए कहा कि, जब आप कोई विज्ञापन करते हैं तो ये आपकी व्यक्तिगत चॉइस है। तब आप ये भी देखते हैं कि इसका कितना नुकसान होता है। मैं खुद के लिए यही कहूं कि मैं इलायती का विज्ञापन करता हूं। मैं मानता हूं कि दिक्कत ऐड में नहीं है। अगर कोई चीज इतनी गलत है तो फिर वो बिकनी नहीं चाहिए ना। लोग उसे खरीद ही क्यों रहे हैं।

रेप केस मामले में बढ़ी भूषण कुमार की मुश्किलें

बीते साल ही एक रेप केस में टीसीरीज के मालिक भूषण कुमार का नाम उछला था। जुलाई 2021 को एक 30 वर्षीय महिला ने भूषण कुमार के ऊपर कई गंभीर आरोप लगाए थे। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो इस मामले में भूषण कुमार की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। मुंबई पुलिस अपनी ओर से इस केस को रफा–दफा करने की कोशिश में थी। अब कोर्ट ने मुंबई पुलिस के क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कोर्ट ने मुंबई पुलिस की जमकर फटकार भी लगाई है। साथ ही शिकायत करने वाली महिला ने जिस तरह से क्लोजर रिपोर्ट का समर्थन किया है, कोर्ट ने उस पर भी सवाल उठाए हैं। क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने के साथ ही साथ कोर्ट ने यह बात भी साफ की है कि इस मामले में जांच कर रही मुंबई पुलिस ने पूरी तरह से कानूनी पक्षों की अनदेखी की है। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में बी समरी रिपोर्ट फाइल की थी। पुलिस यह फाइनल रिपोर्ट तभी बनाती है जब कोई गलत इरादे से किसी पर आरोप लगाता है। भूषण कुमार के खिलाफ शिकायत करने वाली महिला ने पुलिस की इस बी समरी रिपोर्ट पर कोई भी आपत्ति नहीं जताई। इस पर कोर्ट का कहना है कि जो कानून लोगों के हित में बनाए गए हैं, कुछ लोग उसका इस्तेमाल गलत तरीके से अपने निजी फायदे के लिए भी करते हैं। कोर्ट ने भूषण कुमार और उनके एक गवाह को भी फटकार लगाई है। दोनों ने ही इस मामले में हस्तक्षेप करने के लिए याचिका दाखिल की थी।

मनाली में द लेडी किलर की शूटिंग करना मजेदार होगा : अर्जुन

अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी अगली फिल्म द लेडी किलर को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, जिसके लिए वह मनाली जा रहे हैं। अभिनेता पहली बार मनाली जाएंगे। अर्जुन कहते हैं कि मैं मनाली में शूटिंग और उस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए काफी उत्साहित हूं क्योंकि मैं पहली बार शहर का दौरा करूंगा! मैंने सुना है, वह एक खूबसूरत जगह है और मुझे लगता है कि जिस तरह की फिल्म हमारे पास है उसे शूट करने के लिए यह हमारे लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि के रूप में काम करेगा। अर्जुन फिल्म में पहली बार अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। अर्जुन कहते हैं कि मुझे लगता है कि हमारे पास मनाली में एक अद्भुत समय होगा और एक शानदार शूटिंग शेड्यूल भी होगा। फिल्म में मेरी भूमिका बहुत गहन है और मेरे लिए कुछ अनसुलझी है। यह मुझे कैमरे पर कुछ नया करने के लिए सशक्त बनाएगी। द लेडी किलर एक छोटे शहर के प्लेबॉय की कहानी है, जो एक सेल्फ डिसट्रक्टिव ब्यूटी के प्यार में पड़ जाता है। भूषण कुमार और शैलेश आर सिंह द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन अजय बहल कर रहे हैं।

भोजपुरी सिंगर शिल्पी राज का एमएमएस लीक

बात ज्यादा पुरानी नहीं है जब भोजपुरी एक्ट्रेस त्रिशा का एमएमएस लीक हुआ था और उन्होंने अपने इंटीमेट वीडियो के लीक होने की बात भी कबूली थी। अब भोजपुरी सिंगर शिल्पी राज का नाम सामने आ रहा है। गाने से सुर्खियां बटोरने वाली शिल्पा इस बार गलत कारणों से चर्चाओं में हैं। खबर है कि उनका अपने बॉयफ्रेंड के साथ इंटीमेट वीडियो वायरल हो गया है जो बार–बार देखा जा रहा है। वीडियो में वे आपत्तिजनक स्थिति में बॉयफ्रेंड के साथ नजर आ रही हैं और तीसरा शख्स वीडियो बना रहा है। लड़कों ने चेहरे को ढंक रखा है। शिल्पी को जब यह खबर मिली तो उन्होंने इसे शेयर ना करने की अपील की है। वेबदुनिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

पृथ्वी दिवस समारोह: स्थिरता की ओर एक कदम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

संस्थाएं पृथ्वी दिवस पर जिम्मेदार नागरिक जहाज और सतत अभ्यास के विचार के प्रति प्रतिबद्धता के एक भाग के रूप में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

पृथ्वी दिवस हमारे ग्रह की रक्षा करने और कार्रवाई करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में है। पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों को शिक्षित और प्रेरित करने के लिए पृथ्वी दिवस का आयोजन एक राष्ट्रीय आउटरीच के रूप में किया जाता है।

गतिविधि पर्यावरण संरक्षण एजेंसी, साथ ही स्वच्छ वायु अधिनियम, जल गुणवत्ता सुधार अधिनियम, और लुप्तप्राय प्रजाति अधिनियम जैसे पर्यावरण कानूनों द्वारा समर्थित है।

शिक्षक और माता-पिता पृथ्वी दिवस मना सकते हैं, बस बच्चों को प्रकृति की सैर पर ले जाना है, चाहे वह आपके पिछवाड़े में हो, किसी स्थानीय पार्क में, पास के जंगल के रास्ते पर, या स्कूल के मैदान में, इस समय आपके क्षेत्र में क्या उपलब्ध है, इस पर निर्भर करता है। प्रकृति की सैर करना केवल पृथ्वी दिवस मनाने के बारे में नहीं है। यह विज्ञान, भूगोल, गणित और कला जैसे विभिन्न विषयों में अनुभव सीखने का अवसर भी है। पृथ्वी दिवस (या किसी भी दिन!)

साथ ही, जश्न मनाने में आपकी मदद करने के लिए मजेदार विचारों और गतिविधियों से भरे हमारे पृथ्वी दिवस समाचार लेख को बुकमार्क करना सुनिश्चित करें।

भले ही पृथ्वी दिवस का समृद्ध इतिहास रहा हो, लेकिन कई लोग इसे रीसाइक्लिंग से जोड़ते हैं। आपको शायद कक्षा के लिए बहुत सारी पृथ्वी दिवस गतिविधियाँ मिलेंगी जो बस उसी पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यह एक महान प्रारंभिक बिंदु हो सकता है, खासकर क्योंकि यह एक ऐसा कार्य है जिसे छात्र, स्कूल और परिवार तुरंत कर सकते हैं। यदि आप अपनी पृथ्वी दिवस पाठ योजना में रीसाइक्लिंग पर गतिविधियों को शामिल करना चाहते हैं, तो प्रत्येक विषय के लिए इन कम करें, पुन: उपयोग, रीसायकल पाठ योजना विचारों की जांच करना सुनिश्चित करें।

युवा छात्र बड़ा बदलाव ला सकते हैं और कर सकते हैं। एक शिक्षक के रूप में,

आपके पास छात्रों में एक जुनून जगाने का अवसर है जो उन्हें पृथ्वी की देखभाल करने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। इस पृथ्वी दिवस पर अपने छात्रों को प्रेरित करने के लिए आप अपनी पाठ योजनाओं में कुछ भिन्न प्रकार की गतिविधियां जोड़ सकते हैं:

ईडी: डीआईपीआर के पूर्व निदेशक की 5.54 करोड़ की संपत्ति जब्त

नवाब मलिक की हिरासत बढ़ी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने असम के सूचना एवं जन संपर्क निदेशालय (डीआईपीआर) के पूर्व निदेशक रंजीत गोगोई की 5.54 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली। ईडी ने अपने बयान में कहा, असम सरकार के कर्मचारियों और अन्य कंपनियों के साथ मिलीभगत कर 'विजन असम मिशन असम प्रोजेक्ट' में ऐसे लोगों को काम दिया गया, जिनके पास ऐसे कार्यों का अनुभव नहीं था। इसमें अब तक सरकारी खजाने को 16.36 करोड़ के नुकसान की पुष्टि हुई है। ईडी ने मुख्यमंत्री सतर्कता प्रकोष्ठ की ओर से 2017 में दायर एफआईआर के आधार पर इसकी जांच शुरू की।

मलिक की न्यायिक हिरासत छह मई तक बढ़ाई

मुंबई की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े धनशोधन की जांच में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की न्यायिक हिरासत छह मई तक बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राकांपा के वरिष्ठ नेता मलिक (62) को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

मलिक को शुक्रवार को उनकी पिछली जेल हिरासत की समाप्ति पर विशेष न्यायाधीश आर एन रोकाडे के समक्ष पेश किया गया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मामले में मलिक के खिलाफ गुरुवार को 5,000 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था।

सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में नवाब मलिक को शुक्रवार को जमानत देने से इनकार कर दिया।

न्यायालय ने यह कहते हुए नवाब मलिक को जमानत देने से इनकार कर दिया कि जांच अभी शुरुआती दौर में है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि वह 15 मार्च के बंबई उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेगी।

झकझोर कर रख देगी मर्डर मिस्ट्री "निशाचर"

हमने शेरशाह, बेलबॉटम और भुज जैसी हालिया युद्ध देशभक्ति वाली फिल्में देखी हैं, लेकिन अब समय एक ऐसी शैली पर ध्यान केंद्रित करने का है जिसे आप प्यार से नफरत करते हैं। निशाचर उस स्पाइन-चिलिंग मर्डर मिस्ट्री ड्रामा में से एक है जो लखनऊ शहर के आसपास आधारित है। श्रृंखला आपको रातों की नींद हराम करने का वादा करती है और आपको यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि भारतीय कितने गड़बड़ हो सकते हैं। सीरीज़ का मोशन पोस्टर अब जारी किया गया था और यह देखने में बहुत ही डरावना है। रोहित राजावत इस सीरीज में मुख्य प्रतिपक्षी के तौर पर नजर आ रहे हैं। सीरीज़ बहुत आशाजनक लग रही है। टेलीविजन उद्योग में अपनी पहचान बनाने वाले रोहित राजावत अब अपनी नई रिलीज निशाचर के साथ ओटीटी की दुनिया में अपनी जगह बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपने परिचय के साथ अपनी मर्डर मिस्ट्री सीरीज़ पर, रोहित ने कहा, "मैं अपनी सीरीज़ को लेकर बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यह ओटीटी पर मेरी शुरुआत है।"

सीरीज़ में कई मोड़ हैं और निश्चित रूप से इसे दर्शकों के लिए आगे लाने के लिए बहुत मेहनत और समर्पण की आवश्यकता है।

मोशन पोस्टर जारी कर दिया गया है और दर्शकों द्वारा इसकी सराहना की जा रही है, और मैं 26 तारीख को रिलीज होने वाली श्रृंखला को देखने के लिए उनके लिए इंतजार नहीं कर सकता। " निशाचर एक नए ओटीटी प्लेटफॉर्म 'जेमप्लेक्स' पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो दुनिया भर में 26 अप्रैल को रिलीज होगी। इस परियोजना का निर्देशन जाने-माने टीवी निर्देशक धर्मेंद्र कुमार ने किया है, जो लगभग 10 वर्षों से उद्योग में हैं। सीरीज़ अजीत गोस्वामी द्वारा लिखी गई है, जो एक प्रमुख भूमिका निभाते हुए भी दिखाई देंगे, जिसमें सोनाली राठौर, दिव्य कुमार, प्रियंका सचान शर्मा, विश्वदीप त्रिपाठी, नारायण चौहान, ममता स

प्रयागराज में परिवार के पांच लोगों की हत्या से सनसनी

एक मासूम बची जिंदा, हत्यारों ने कमरे में भी लगाई आग

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से परिवार के पांच लोगों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सभी लोगों का बेरहमी से कत्ल किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के थरवई के खेवजपुर गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इनमें दंपति के साथ उनकी बेटी बहू और 2 साल की पौत्री शामिल है। सभी को धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतारा गया।

हत्यारों ने वारदात को अंजाम देने के बाद घर के एक कमरे में आग लगा दी थी। भोर में लोगों ने घर से धुआं निकलता देखा तो मौके पर पहुंचे। जिसके बाद घटना की जानकारी हुई। मृतकों में राम कुमार यादव (55), उसकी पत्नी कुसुम देवी (52), बेटी मनीषा (25), बहू सविता (27) और पौत्री मीनाक्षी (2) शामिल हैं। जबकि एक अन्य पौत्री साक्षी (5) जिंदा मिली है। हत्या किसने और क्यों की इस बारे में फिलहाल कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस अफसर मौके पर हैं जांच पड़ताल जारी है।

प्रयागराज में महिला व तीन बेटियों की गला रेतकर हत्या, पति फंदे पर लटका मिला

इससे पहले प्रयागराज के नवाबगंज के खागलपुर गांव में 16 अप्रैल को प्रीति तिवारी (38) व उसकी तीन बेटियों माही(12), पीहू(8) और कुहू(3) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी, जबकि पति राहुल तिवारी 42) फंदे पर लटका मिला था। सभी के शव घर के भीतर पड़े मिले थे। मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिसमें ससुरालवालों को घटना का जिम्मेदार बताया गया। पुलिस तहरीर के आधार पर चार लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

राहुल मूल रूप से कौशाम्बी के भदवा गांव का रहने वाला था। वह करीब ढाई महीने से खागलपुर में किराये के मकान में पत्नी व बेटियों संग रह रहा था। 16 अप्रैल को सुबह बहुत देर तक परिवारवालों के न दिखाई देने पर पड़ोसी बुलाने पहुंचे तो आंगन में राहुल को फंदे पर लटका देखा।

शोरगुल पर गांववाले जुटे और भीतर जाकर देखा तो कमरे में प्रीति व तीनों बेटियों के रक्तरंजित शव पड़े थे। जांच पड़ताल में पता चला कि प्रीति व तीनों मासूमों को गला रेतकर मारा गया था।

दो पन्नों के सुसाइड नोट में 11 नाम

जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को घर से ही दो पन्नों का एक सुसाइड नोट मिला। इसमें ससुरालपक्ष के कुल 11 लोगों के नाम लिखे थे, जिन पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया था। यह भी लिखा है कि इन लोगों की प्रताड़ना से मजबूर होकर ही यह कदम उठा रहा हूं।

विश्व पृथ्वी दिवस : मिट्टी की सेहत सुधारने के लिए बड़ा अभियान, कश्मीर से कन्याकुमारी तक उठ खड़े हुए लोग

विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर मिट्टी की सेहत को सुधारने के संकल्प के साथ देश के 80 शहरों में लोग अपने घरों से निकल कर मृदा बचाओ अभियान के साथ जुड़े। इस अभियान का मकसद तेजी से खराब हो रही मिट्टी की सेहत की ओर ध्यान खींचना है, जिसमें लगातार ऑर्गेनिक तत्व खत्म हो रहे हैं। वाराणसी के अस्सी घाट से लेकर आगरा, गोवा और चेन्नई समेत 80 बड़े शहरों की प्रमुख जगहों पर इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। पैदल चल रहे, चेहरों पर मिट्टी का लेप लगाए और नुक्कड़ नाटक समेत कई तरह कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे स्वयंसेवकों ने कहा कि इससे अच्छा तरीका पृथ्वी दिवस मनाने का नहीं हो सकता था, हमने दशकों धरती मां को अनदेखा किया है। अब समय है उठ खड़े होने का और धरती को बचाने का। मिट्टी बचाओ अभियान का आह्वान ईशा फाउंडेशन के फाउंडर सद्गुरु ने पिछले महीने किया था। सद्गुरू इस समय 100 दिन की ब्रिटेन से भारत की मोटरसाइकिल यात्रा पर हैं। 30,000 किमी मोटरसाइकिल चलाकर वो नागरिकों, नेताओं, और विशेषज्ञों से मिल कर मिट्टी की सेहत बचाने का संदेश दे रहे हैं।

यात्रा का मकसद सभी देशों के नेताओं और प्रभावी लोगों से मिल कर ऐसी नीतियां बनाने पर जोर देना है कि जिससे मिट्टी में आर्गेनिक तत्व 3%-6% तक बढ़ जाएं। 21 मार्च को लंदन से अपनी यात्रा शुरू करने के बाद सद्गुरू कई देशों की यात्रा कर चुके हैं।

सद्गुरु यात्रा इस साल जून में कावेरी रिवर बेसिन में संपन्न होगी। मिट्टी की सेहत को लेकर खतरे की घंटी बज चुकी है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अगर अभी नहीं चेते तो वर्ष 2050 तक 90% मिट्टी खराब हो जाएगी। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अनुसार अगर मिट्टी का क्षरण न रोका गया तो अन्न उत्पादन अगले 20 वर्षों में 40% कम हो जाएगा। अकेले भारत में ही 62% मिट्टी में आर्गेनिक तत्व 0.5% से भी कम हैं।

अब सूरत में चला बुलडोजर, पुलिस ने जुआ अड्डे के तौर पर इस्तेमाल की गई अवैध इमारत पर की कार्रवाई

गुजरात के सूरत शहर में एक दुर्दांत अपराधी की एक अवैध इमारत को पुलिस ने शुक्रवार को ध्वस्त कर दिया। इस बिल्डिंग का इस्तेमाल कभी जुआ अड्डे के रूप में किया जाता था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में अपराधी के लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। रांदेर थाने के निरीक्षक पीएल चौधरी ने बताया कि पुलिस की तैनाती के बीच इलाके में शीतल सिनेमा के पास दो मंजिला इमारत को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस इमारत का इस्तेमाल शीतल सिनेमा के पास नेहरूनगर की झोपड़ियों में रहने वाले आरिफ और उसका भाई सज्जू कर रहा था, दोनों दुर्दांत अपराधी हैं। उन्होंने कहा कि सज्जू को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था, जबकि सचिन क्षेत्र में सरकारी अधिकारियों के कामकाज में बाधा पहुंचाने के हालिया मामले में पिछले कुछ समय से पुलिस को चकमा दे रहे आरिफ को मंगलवार रात रांदेर थाने की एक टीम ने पकड़ लिया। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, जब आरिफ को पुलिस थाने ले जाया जा रहा था, तभी उसने चिल्लाना शुरू कर दिया और भागने में मदद करने के लिए अपने लोगों को बुलाया। लगभग 30 लोगों की भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया और आरिफ को भागने में मदद की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और आरिफ तथा अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस दल बनाए गए हैं।

बत्ती गुल : गर्मी से बढ़ी मांग और कोयले की किल्लत ने बढ़ाया बिजली संकट, सात राज्य विद्युत कटौती पर मजबूर

देश के कई राज्यों में मार्च मध्य से जारी ग्रीष्म लहर के कारण बढ़ी मांग और इसी बीच पैदा हुई कोयले की किल्लत से बिजली की कमी हो गई है। इस कारण सात राज्य घंटों बिजली कटौती करने पर मजबूर हो गए हैं।

हर साल गर्मी के सीजन में देश में बिजली की मांग चरम पर होती है, लेकिन कोयले की कमी के कारण कई राज्यों में संकट गहरा गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गोवा व कर्नाटक में मध्य मार्च से ही गर्मी बढ़ गई थी। इस कारण इन राज्यों में बिजली की मांग एकदम बढ़ गई। ऐसे में इन राज्यों को उद्योगों व कृषि क्षेत्र के लिए बिजली आपूर्ति का कार्यक्रम नए सिरे से निर्धारित करना पड़ा। इन्हें कई घंटों कटौती भी करना पड़ रही है।

माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में देश के कुछ राज्यों को गंभीर बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा।

बिजली की मांग 38 सालों की सर्वाधिक

देश में अप्रैल के पहले पखवाड़े में बिजली की मांग पिछले 38 सालों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। इसी बीच यूक्रेन संकट के कारण आयातित कोयले की आपूर्ति पर असर पड़ने लगा। यही कारण देश के ताप बिजली घरों में कोयला का स्टॉक तेजी से घटने लगा।

26 दिन का कोयला स्टॉक जरूरी

आमतौर पर कोयला संयंत्रों को पूर्ण क्षमता से चलाने के लिए 26 दिन का स्टॉक जरूरी है, लेकिन कोयले की प्रचूरता वाले राज्यों को छोड़कर अन्य राज्यों में भारी किल्लत हो गई। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यह 36 फीसदी रह गया। कोयला बहुत राज्यों में ओडिशा, झारखंड व छत्तीसगढ़ शामिल हैं। बंगाल में कोयले का स्टॉक सामान्य से 1 से 5 फीसदी, राजस्थान में 1 से 25 फीसदी, यूपी में 14 से 21 फीसदी व मप्र में 6 से 13 फीसदी रह गया। देश में राष्ट्रीय औसत स्टॉक भी पिछले सप्ताह सामान्य स्तर से दो फीसदी कम होकर 36 फीसदी रह गया।

राज्य मांग रहे केंद्र से अतिरिक्त बिजली, हरियाणा करेगा कोयला आयात

देश में पीक अवर में बिजली की फिलहाल कुल मांग 1,88,576 मेगावाट की बताई जा रही है। इसमें 3,002 मेगावाट की ही कमी बताई जा रही है, लेकिन दूसरी ओर कई राज्य भारी कमी झेल रहे हैं। उन्हें कटौती पर मजबूर होना पड़ रहा है। यही कारण है कि राज्य केंद्र से अतिरिक्त बिजली मांग रहे हैं। मध्य प्रदेश व पंजाब भी केंद्र से ज्यादा बिजली मांग रहे हैं। वहीं, हरियाणा ने पहली बार अपने ताप बिजली घरों के लिए 10 सालों में पहली बार कोयले के आयात का फैसला किया है।

योजना: स्टार्टअप्स में निवेश करेगा रेलवे, इनोवेशन के लिए 1.5 करोड़ की राशि देने का प्रस्ताव

एक पॉलिसी पेपर के मुताबिक, रेलवे स्टार्टअप्स में निवेश करेगा ताकि उनसे सीधे इनोवेशन हासिल किया जा सके और रेलवे के लिए नवोन्मेषी तकनीक समाधान के लिए 1.5 करोड़ रुपये तक की राशि जुटाई जा सके। अधिकारियों ने कहा कि भारतीय रेलवे नवाचार नीति के तहत नवोन्मेषियों को लागत प्रभावी, कार्यान्वयन योग्य और कार्यात्मक प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए रेलवे के साथ जुड़ने में सक्षम बनाएगी। इस नीति का उद्देश्य 1.5 करोड़ रुपये तक की आवश्यक बीज निधि सहायता प्रदान करना है। उन स्टार्टअप्स के लिए जो भारतीय रेलवे के संभावित उपयोग के लिए नई नवीन अवधारणाओं के आधार पर कार्यात्मक प्रोटोटाइप बनाने की क्षमता, इरादा और वादा करते हैं।

अधिकारियों ने कहा कि नीति के प्रमुख उद्देश्यों में से एक रेलवे प्रणाली पर परिचालन दक्षता और सुधार के लिए उद्यमियों और स्टार्टअप द्वारा विकसित नई तकनीकों का लाभ उठाना होगा। पात्र संगठनों या लाभार्थियों में कंपनी अधिनियम 1956/2013 के

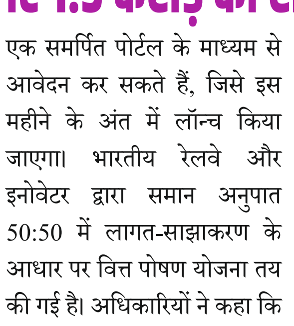

तहत निगमित कोई भी भारतीय कंपनी, मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और व्यक्तिगत इनोवेटर शामिल होंगे। इनोवेटर एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, जिसे इस महीने के अंत में लॉन्च किया जाएगा। भारतीय रेलवे और इनोवेटर द्वारा समान अनुपात 50:50 में लागत-साझाकरण के आधार पर वित्त पोषण योजना तय की गई है। अधिकारियों ने कहा कि अनुदान की अधिकतम राशि 1.5 करोड़ रुपये प्रति इनोवेटर होगी, यहां तक कि उन मामलों में भी जहां कुल परियोजना लागत 3 करोड़ रुपये से अधिक है। रेल यात्रियों को ट्रेनों से संबंधित जानकारी के अलावा सुरक्षा और आपात स्थिति के दिशानिर्देशों के साथ ही अन्य जानकारियां पलक झपकते ही मिल सके इसके लिए रेलवे ने देशभर के करीब 2000 रेलवे स्टेशनों पर 65000 डिस्प्ले लगाएगा। रेलवे को विज्ञापन के जरिये इससे आमदनी भी होगी। रेलवे की ओर से इस लागू करने वाली एजेंसी रेल टेल ने कहा कि इन डिस्प्ले स्क्रीन को फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म और प्रतीक्षालयों में लगाया जाएगा। इसके लिए कंपनी ने दो वर्षों का लक्ष्य निर्धारित किया है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।